वर्षः- 05
अंकः- 347
मुरादाबाद
(Sunday)
12 April 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

# क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

## कभी हाथ जोड़कर अभिवादन, कभी संसद में ही दी झप्पीः जब आमने-सामने से मिले PM मोदी और राहुल गांधी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी के बीच बीते 12 वर्षों में कई बार मुलाकात हुई है। कभी किसी नियुक्ति पर चर्चा के लिए बंद दरवाजों में तो कभी किसी मुद्दे को उठाने के लिए खुले तौर पर। हालांकि, किसी कार्यक्रम या सार्वजनिक मंच पर पीएम मोदी और राहुल जब-जब मिले हैं तो तस्वीर हमेशा अलग रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी की आज संसद परिसर में हुई मुलाकात की एक बेहद खास तस्वीर सामने आई है। मौका था प्रेरणा स्थल पर महात्मा ज्योतिराव फुले की 200वीं जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का। इस दौरान कैमरे में एक तस्वीर ऐसी कैद हो गई, जो कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता से इतर नेताओं के अलग-अलग मौकों पर साथ आने की भी परिचायक बनी।दरअसल, हुआ कुछ यूं कि जब प्रधानमंत्री मोदी अपनी गाड़ी से कार्यक्रम स्थल पहुंचे तो बाहर ही लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, स्वास्थ्य मंत्री और राज्यसभा में सदन के नेता जगत प्रकाश नड्डा, लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत कई नेता पास ही खड़े थे। प्रधानमंत्री ने उतरते ही इन सभी नेताओं का हाथ जोड़कर अभिवादन किया। जवाब में इन नेताओं ने भी हाथ जोड़कर पीएम का स्वागत किया। मोदी ने इस बीच राहुल गांधी से कुछ सेकंड्स के लिए चर्चा की। करीब एक मिनट तीस सेकंड के वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि पीएम मोदी और राहुल के बीच हल्के मूड में बातचीत हुई। बाद में पीएम और राहुल गांधी समेत इन सभी नेताओं ने उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत किया। सभी नेताओं ने इसके बाद बारी-बारी से महात्मा फुले को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।अब सोशल मीडिया पर यह वीडियो वायरल हो रहा है। दरअसल, संसद और राजनीतिक मंचों पर जो नेता आमतौर पर एक-दूसरे की नीतियों और कार्यशैली की आलोचना करते रहे हैं, वे कई मौकों पर साथ आकर एकता का भी संदेश देते रहे हैं। पहले भी कई ऐसे मौके आए हैं, जब प्रधानमंत्री मोदी और राहुल गांधी के बीच कुछ इसी तरह का मेल-मिलाप देखने को मिलता रहा है। आइये जानते हैं ऐसे ही कुछ मौके... 9 अगस्त 2024~ जब लोकसभा सत्र के बाद चाय पर हुई बैठक मौका था संसद सत्र के समापन का। इसके बाद एक अनौपचारिक चाय बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी ने एक-दूसरे का अभिवादन किया और गर्मजोशी से नमस्ते किया। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से यूक्रेन की स्थिति के बारे में पूछा, जिस पर रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत इस पर कड़ी नजर रख रहा है।

## सिंडिकेट राज खत्म होगा, पूर्व बर्धमान में PM बोले अवैध खनन और हिंसा पर करेंगे सख्त कार्वाई

पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले पीएम मोदी ने टीएमसी पर भ्रष्टाचार और सिंडिकेट राज का आरोप लगाते हुए व्हाइट पेपर लाने का एलान किया। उन्होंने महिलाओं को ?3,000 मासिक सहायता देने का वादा किया। आइए विस्तार से जानते हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले सियासी पारा चढ़ गया है। मोदी ने पूर्व बर्धमान एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस (TMC) पर जोरदार हमला बोला और सत्ता में आने पर सिंडिकेट राज खत्म करने का एलान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर टीएमसी के 15 साल के शासन में हुए कथित भ्रष्टाचार का पूरा हिसाब सामने लाने के लिए एक व्हाइट पेपर जारी किया जाएगा।प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य में मंत्रियों, विधायकों और स्थानीय स्तर पर सिंडिकेट से जुड़े लोगों द्वारा व्यवस्थित तरीके से लूट की गई है। उन्होंने कहा कि बीजेपी व्हाइट पेपर लाएगी, जिसमें टीएमसी के विधायकों, मंत्रियों और सिंडिकेट के भ्रष्टाचार का पूरा लेखा-जोखा होगा। हमारी सरकार हर ऐसे अपराध को रोकने के लिए सख्त कार्वाई करेगी।महिलाओं के लिए बड़ा वादा- महिला मतदाताओं को साधने के लिए पीएम मोदी ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि बीजेपी सरकार बनने पर राज्य की महिलाओं को हर महीने 3,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बंगाल में बीजेपी को मिल रहे समर्थन से टीएमसी घबरा गई है और झूठ फैलाकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, टीएमसी कह रही है कि बीजेपी आने पर योजनाएं बंद हो जाएंगी, लेकिन सच्चाई यह है कि बीजेपी किसी योजना को बंद नहीं करेगी, बल्कि भ्रष्टाचार और बिचौलियों को खत्म कर योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंचाएगी।केरल और बंगाल में जीत का दावा प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में केरल का भी जिक्र किया और दावा किया कि वहां एलडीएफ और यूडीएफ दोनों ही जीत का दावा करने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जहां भी महिलाओं की ज्यादा भागीदारी होती है, वहां बीजेपी-एनडीए को भारी जनादेश मिलता है। इसी आधार पर उन्होंने बंगाल में भी जीत का भरोसा जताया। चुनाव की तारीखें और पिछला परिणाम- पश्चिम बंगाल में इस बार मतदान 23 और 29 अप्रैल को होना है, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। 2021 के चुनाव में टीएमसी ने 213 सीटों के साथ बड़ी जीत दर्ज की थी, जबकि बीजेपी 77 सीटों के साथ प्रमुख विपक्षी दल बनकर उभरी थी। इस बार दोनों दलों के बीच मुकाबला और भी कड़ा और हाई-स्टेक्स माना जा रहा है।

## EC की मदद से उम्मीदवारी रद्द कराने की साजिश, CM ममता का भाजपा पर हमला;90 लाख वोटर नाम कटने का आरोप

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि भाजपा ने चुनाव आयोग की मदद से उनकी उम्मीदवारी को रद्द कराने का प्रयास किया। उन्होंने यह भी दावा किया कि विशेष गहन संशोधन के दौरान भाजपा ने जबरन 90 लाख मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए।भवानीपुर सीट से उम्मीदवारी रद्द कराने की कोशिश- पश्चिम मेदिनीपुर जिले के केशियरी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा %भाजपा ने चुनाव आयोग की मदद से मेरे खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज कराने की कोशिश की ताकि भवानीपुर सीट से मेरी उम्मीदवारी रद्द हो सके, लेकिन तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं और जनता ने उनकी इस साजिश को नाकाम कर दिया। हालांकि, उन्होंने इस संबंध में और अधिक जानकारी नहीं दी।चुनाव में धांधली का लगाया आरोप-मुख्यमंत्री ने भाजपा पर धोखाधड़ी के माध्यम से जबरन वोट कब्जाने की साजिश रचने% का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा के पास लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव लड़ने और जीतने का साहस नहीं है। उन्होंने कहा कि इसीलिए वे मतदाताओं के नाम हटा रहे हैं। वे अपने पक्ष में परिणाम बदलने के लिए ईवीएम से छेड़छाड़ करने की भी योजना बना रहे हैं। ममता बनर्जी ने विश्वास जताया कि विधानसभा चुनावों में भाजपा की हार और दिल्ली से उनकी सत्ता जाने के बाद न्याय होगा। वोटर लिस्ट से नाम हटाने पर चिंता- उन्होंने कहा कि एसआईआर अभ्यास के कारण 250 से अधिक लोगों की मौत हुई है। काटे गए 90 लाख मतदाताओं में से 60 लाख हिंदू और 30 लाख मुस्लिम हैं। उन्होंने सवाल उठाया, जब हम बंगाली बोलते हैं, तो क्या हम भारतीय नहीं हैं? क्या हमें लगातार अपनी नागरिकता साबित करने की आवश्यकता है? यूनिफॉर्म सिविल कोड पर भी वार- भाजपा द्वारा सत्ता में आने पर पश्चिम बंगाल में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लागू करने के वादे पर प्रतिक्रिया देते हुए, बनर्जी ने कहा कि यूसीसी के माध्यम से भगवा पार्टी लोगों पर अपना फरमान थोपना चाहती है। उन्होंने कहा, यह पिछड़े समुदायों के खिलाफ निर्देशित होगा और लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों को छीनने का लक्ष्य रखेगा। हम पश्चिम बंगाल में इसके कार्यान्वयन की अनुमति नहीं देंगे। हम भाजपा को राज्य में हमारी लगातार चौथी जीत के बाद दिल्ली की सत्ता से उखाड़ फेंकने के बाद इसे रद्द कर देंगे।

## अमेरिका-ईरान वार्ता में पाकिस्तान की मध्यस्थता पर कांग्रेस का सवाल, सरकार की कूटनीति पर उठाए निशान

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। जयराम रमेश ने भारत की विदेश नीति और कूटनीतिक रणनीति को लेकर गंभीर टिप्पणी की है।पश्चिम एशिया में शांति बहाली की उम्मीदों के बीच कांग्रेस ने भारत सरकार की कूटनीतिक विफलताओं पर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने विशेष रूप से इस बात पर चिंता व्यक्त की है कि कैसे पाकिस्तान, जिसे अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा अलग-थलग करने के प्रयास किए गए थे, अब अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है।%विश्वगुरु% की %हग्लमसी% पर कांग्रेस का कटाक्ष- कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि यह स्थिति %स्वयं-घोषित विश्वगुरु की हग्लमसी% पर गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा कि यह समझा जाना चाहिए कि पाकिस्तान ने पहलगाम जैसे कायराना आतंकी हमले में अपनी भूमिका के बावजूद और भारत द्वारा उसे अलग-थलग करने के लिए की गई कूटनीतिक पहलों के बावजूद यह नई भूमिका कैसे हासिल कर ली। कांग्रेस ने 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के बाद पाकिस्तान को अलग-थलग करने में डॉ. मनमोहन सिंह सरकार की सफलता का भी उल्लेख किया और इसे एक विशेष रूप से विनाशकारी विफलता बताया।नमस्ते ट्रंप% और %हाउडी मोदी% के बाद भी विफलता? कांग्रेस नेता ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में लिखा कि अमेरिका-ईरान की बैठक आज इस्लामाबाद में शुरू हो रही है और पूरा विश्व, जिसमें भारत भी शामिल है,

## संक्षिप्त समाचार

### अमित शाह बोले- बंगाल से कर देंगे ममता दीदी के गिरोह का सफाया; अभिषेक बनर्जी पर भी साधा निशाना

नौ अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव और उपचुनाव में सघन जांच के बाद सिर्फ असम के एक मतदान केंद्र पर पुनर्मतदान की सिफारिश की गई है। यहां शनिवार को फिर वोट डाले जाएंगे। चुनाव आयोग ने केरलम, असम और केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी के 63,084 मतदान केंद्रों पर कराया है। इनमें से असम के 123-करीमगंज नॉर्थ विधानसभा में 239-बेबीलैंड हाई इंग्लिश स्कूल पोलिंग स्टेशन पर दोबारा मतदान का निर्णय लिया गया है कोलकाता। प. बंगाल चुनाव से पहले कृष्णनगर उत्तर सीट पर तृणमूल को बड़ा झटका लगा है। निर्वाचन आयोग ने तृणमूल प्रत्याशी अभिनव भट्टाचार्य का नामांकन रद्द कर दिया है। रिटर्निंग ऑफिसर के अनुसार, अभिनव जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 9ए के तहत अयोग्य पाए गए। जांच में सामने आया कि नामांकन के समय वे सरकारी अनुबंधों से जुड़े थे, जो हितों के टकराव के चलते उम्मीदवारी में बाधक है। अभिनव ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया। तृणमूल नेतृत्व इस सीट पर नया चेहरा उतारने की तैयारी में है। तमिलनाडु की 234 विधानसभा सीटों पर कुल 326 केंद्रीय पर्यवेक्षकों की निगरानी में 23 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्त डॉ. एसएस संधू व डॉ. विवेक जोशी के साथ मिलकर समीक्षा की।

## खीरी में सीएम योगी बोलेः सच्चा शासन वही, जहां प्रजा सुखी रहे;सैफई और परिवारवाद का जिक्र कर विपक्ष पर बरसे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को लखीमपुर खीरी के दौरे पर पहुंचे। उन्होंने पलियाकलां तहसील के थारू क्षेत्र चंदनचौकी में थारू जनजाति के परिवारों को जमीन के मालिकाना हक संबंधी अधिकार पत्र सौंपे। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को भारत-नेपाल सीमा पर स्थित पलियाकलां के चंदनचौकी पहुंचे। यहां उन्होंने न केवल विकास की बयार बहाई, बल्कि दशकों से अपने हक का इंतजार कर रहे थारू जनजाति के परिवारों को जमीन का पूर्ण स्वामित्व (मालिकाना हक) सौंपा। सीएम योगी ने पलिया तहसील के 34 गांवों के 4356 थारू परिवारों को 538 हेक्टेयर जमीन के स्वामित्व संबंधी अधिकार पत्र दिए। 1976 से ये परिवार सिर्फ जमीन का उपयोग कर रहे थे, अब वे इसके मालिक बन गए हैं। इसके अलावा विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसमें सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं। संस्कृत का श्लोक सुनाया-जनता को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने श्लोक सुनाया। कहा कि प्रजा सुखे सुखं राज्ञः प्रजानां च हिते हितम्... यानि सच्चा शासन वही है, जहां प्रजा सुखी रहे। राज्य की जनता का कल्याण हो। शासन की खुशी का आधार उसकी जनता की खुशी है। यह कार्य तभी होता है जब शासन सत्ता में संवेदना होती है। बिना भेदभाव के काम हो। आज जो काम हो रहा है ये उसी संवेदना का काम है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों में संवेदनाओं का अभाव था। अपने परिवारवाद से ऊपर उठ पाते तो इन थारू परिवारों के बारे में सोच पाते, लेकिन जिनको समाज को बांटने से फुसरत न हो, सदैव बांटने का काम किया हो। जिन्होंने आपके संसाधन और हकों पर डकैती डालने का काम किया होगा। उनसे यह उम्मीद करना है कि वे आपको आपका अधिकार दिलाएंगे, कभी नहीं दिलाते।पहले सबकुछ सैफई में होता था- सीएम योगी - मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी पहचान को खत्म करने पर उतारू थे। याद करिए आपको अधिकार तो नहीं मिल पाया, आपके नौजवानों के सामने पहचान का संकट जरूर खड़ा कर दिया था। कहीं माफिया का संकट तो कहीं गुंडों का संकट, कहीं कर्फ्यू का संकट, लेकिन जिस जमीन पर आपने सपने बोए थे। आज उस सपने को डबल इंजन की सरकार ने आकार दिया है। आपको जमीन का भौमिक अधिकार दिया है। आज वर्षों का इंतजार खत्म हुआ है। उन्होंने कहा कि पहले विकास और सभी योजनाएं सैफई में होती थीं। प्रदेश के गरीबों के हकों पर डकैती डालकर एक परिवार सबकुछ हजम कर जाता था। आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता की गारंटी है भौमिक अधिकार~ मुख्यमंत्री । आयोजन नहीं है, अधिकार से आत्मसम्मान मिलना और आत्मनिर्भरता की गारंटी है। अब वन विभाग के लोग आपके अधिकार में हस्तक्षेप नहीं कर सकता। कोई लेखपाल आपके क्षेत्र में गड़बड़ी कर दबंग से कब्जा नहीं करा सकता है। याद करिए इसके लिए आपकी कई पीढ़ियां चली गई। दशकों की अधूरी यात्रा आज इस पुनर्वास कार्यक्रम के साथ आगे बढ़ रही है। सीएम योगी ने एक्स पर किया पोस्ट- लखीमपुर खीरी दौरे पर सीएम योगी ने एक्स पर पोस्ट किया। लिखा है कि लखीमपुर खीरी में सेवा, संवेदना और संकल्प का एक और महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ने जा रहा है। स्थानीय थारू परिवारों और नदियों द्वारा भूमि क्षरण से प्रभावित पूर्वी उत्तर प्रदेश से आकर यहां बसे परिवारों को भौमिक अधिकार पट्टों का आवंटन किया जाएगा।

संपादकीय Editorial

# The Sealed Envelopes of the Panchayat Elections

Speculations about how Himachal will fare in the Panchayat elections will undoubtedly fuel heated political debate. The contribution of local bodies to the grand yagya of democracy demonstrates the proximity or distance between society and political science. While the chariot of public welfare policies often finds itself in the quagmire of villages, the BJP's propaganda machinery is seen actively promoting the nation's Amrit Mahotsav. The roster's design, its decoration, and now, how far the elections will progress thanks to the roster remain to be seen. The truth is that the narratives of women's awareness in politics will be validated and accepted during this period. While the national women's reservation roster is awaiting strengthening, the struggle of Himachal's women will certainly bring some qualitative change to the scope of the current Panchayat elections. The conduct of parties confirms that the women's base will ultimately be able to demonstrate its charisma on the national stage. We are diving into the ocean of Panchayat elections to fill the political pot, but will the hopes of the country and society be fulfilled in the context of democracy? Divya Himachal, in its survey, found that 76 percent of the state's population is unable to elect public representatives in accordance with their expectations and the dignity of democracy. If elections are being conducted based on caste, religion, class, and financial power, then countless thorns have been sown from the Panchayat elections to the Lok Sabha elections. While rehearsals for local body elections have been marked by controversy, will the simmering animosity and hatred amid preparations truly bind society together? There will be one or two Panchayats where some positions will be filled unanimously, otherwise, these elections will be held in vain. In the last Panchayat elections, youth power, embracing politics, created some waves, but the combination of shrewd personalities always fills society with narrow-mindedness and selfishness. In Himachal, the definition of Panchayati Raj as a whole reflects awareness of policies and programs, but flaws remain in the functioning of the entire structure. If the sealed envelopes of municipal bodies are opened, will the facade of our environment change? What will be the situation of the newly formed municipal bodies and the villages that have become gatekeepers of the expanding municipal corporations? Will the boundaries of panchayats included in the cities shrink, or will new panchayats emerge? In the context of the state, how many panchayats will be able to change their behavior under the yoke of municipal bodies, or will new boundaries be established in the pursuit of Panchayati Raj? It remains to be seen. Will Himachal continue to focus solely on being a political agent as the main agenda of local body elections, or will political petitions dominate the electoral process? Where does Himachal, with its rural vision, ultimately exist? Will we participate in these elections to achieve a sustainable village life, or will the ruling and opposition parties play their own games in the heat of political dominance? What new chapter will these elections write in good governance from village to city, because if people are not able to find representatives to advocate for the society, then only stubborn political tendencies will be face to face in this competition.

# Let's all work together to empower women: Prime Minister Narendra Modi

Our women represent nearly half the population. They have made invaluable contributions to nation-building. Today, women are exemplifying women in every sector of the country. The Women's Reservation Bill will broaden democracy. Reservations need to be implemented from the 2029 elections. PM Modi urged support from all parties. India is moving towards a significant and historic moment in its 21st-century development journey. In the coming days, we will witness a major initiative that will further strengthen our democracy. This opportunity will reflect a new aspect of our national commitment to equality, inclusion, and public participation. This is a time when Parliament must take a step that will make our democracy more broad-based and more representative. Parliament's decision will give new strength to women's political participation and ensure their rightful place in the Lok Sabha and Legislative Assemblies. This moment is also special because it comes at a time when the atmosphere in the country is filled with celebration, innovation, and positivity. In the coming days, the Bengali New Year will begin with Rongali Bihu in Assam, Maha Bishuba Pana Sankranti in Odisha, Poila Baishakh in West Bengal, and Vishu will be celebrated with great enthusiasm in Kerala. People in Tamil Nadu eagerly await Puthandu, while those in Punjab and North India await Baisakhi. I pray that these divine and sacred festivals bring happiness and prosperity to all of us. Meanwhile, celebrations of Mahatma Phule's 200th birth anniversary will begin on April 11th. On April 14th, we will celebrate Dr. Babasaheb Ambedkar's birth anniversary. Both dates also remind us of the values ??of social justice and human dignity that have shaped the course of modern India. Amidst these inspiring occasions, Parliament will hold a historic session on April 16th. A special session has been convened to discuss and pass the important bill implementing women's reservation. To call this merely a legislative exercise would be to underestimate its significance. This reflects the aspirations of millions of women in India. Our women power represents nearly half the population and has made invaluable contributions to nation-building. Today, women power is becoming exemplary in every sector of the country. Women are making their mark in every field, including science and technology, entrepreneurship, the armed forces, and sports. Our mothers, sisters, and daughters are playing a leading role in the country's progress. Our traditional values ??dictate that any society progresses only when mothers and sisters have greater opportunities to advance. With this thought in mind, sustained efforts have been made to empower women over the past 11 years. Increasing access to education, improved healthcare, increased financial inclusion, and improved access to basic amenities have strengthened their participation in economic and social life. However, despite these efforts, women's representation in politics and legislative bodies has not been commensurate with their role in society. This shortcoming must now be addressed, as their experience and vision are crucial when they participate in governance and administrative decisions. This not only enriches discussions but also improves the quality of governance. Increasing women's participation is not just a matter of representation; it is an effort to make our democracy more sensitive, balanced, and accountable. Over the past several decades, repeated efforts have been made to ensure women's rightful place in democratic institutions. Draft bills were also introduced, but they failed to pass. Nevertheless, there was widespread consensus that women's representation in legislative bodies should increase. In September 2023, Parliament unanimously passed the Nari Shakti Vandan Act. This was one of the most special moments of my life. Now, there is a need to conduct the 2029 Lok Sabha elections as well as the Assembly elections with women's reservation. This opportunity to ensure reservation for women is deeply connected with the fundamental spirit of the Constitution. The framers of the Constitution envisioned a society where equality is not only enshrined in the Constitution but also implemented in practice. Ensuring women's participation in legislative bodies is an important step towards realizing this vision. It symbolizes our commitment to building a society in which every citizen has an equal role in shaping the nation's future. This decision can no longer be postponed. Its necessity has been recognized for decades. Postponing it even now would mean furthering the imbalance we recognize and have the capacity to correct. As India moves forward with confidence and determination, it is essential that our institutions respect the aspirations of all citizens, especially women, who represent half the population. This will not only fulfill a decades-old commitment but also help sustain the pace of development. It will also be a crucial step towards making our democracy more responsive and future-ready. This is a time for collective resolve. This is not a matter for any one government, party, or individual, but for the entire nation. We must collectively understand its importance. Consensus is essential for passing the Women's Reservation Bill. It must be seen as a matter of larger national interest. Such occasions remind us that some decisions are timeless. They grow up to be women. They shape the course of future generations and show us that the true strength of democracy lies in its ability to evolve over time to become more just and inclusive. This historic session of Parliament is drawing to a close. I urge MPs from all parties to support this important step for women empowerment. Let us ensure our participation in keeping with the highest traditions of our democracy.

# A Test of Opposition Unity

Many leaders from opposition parties have been pushing their names to lead the INDIAN. Consequently, the outcome of these elections could impact the unity of the opposition alliance. The election results will determine the direction of the national and state governments. Congress's performance will affect its position within the INDIAN coalition. Issues such as the SIR and delimitation will also impact the results. Voting has already taken place in the assembly elections for four states and one union territory: Assam, Kerala, and Puducherry, while voters in Bengal and Tamil Nadu are yet to make their decisions. Since this is the first time since the Lok Sabha elections that such a large-scale election is being held simultaneously across the country, it is natural that its impact will be felt on national politics. The results on May 4th will not only reflect the policies of the central and state governments but also determine the direction of future politics. While institutional processes like the Special Intensive Revision of Electoral Rolls (SIR) and the delimitation of constituencies will be tested, the enactment of the Women's Reservation Bill will also force political parties to realign their equations. Regarding the political landscape, the elections in five states pose a survival challenge for both national parties and regional parties. The BJP in Assam and the Trinamool Congress in Bengal have long held power in the states. In Kerala, the Left-wing alliance surprised the Congress by bucking the trend of alternating power in the last assembly elections. In Tamil Nadu, both national parties are relying on their allies outside the main contest. The story in Puducherry is more or less similar. Thus, while both national parties have high stakes in two states, they are locked in a direct contest in one. The BJP appears to have made Assam its stronghold, and the Congress faced internal strife there in this election as well, with two of its prominent leaders defecting to the BJP camp during the election. In Kerala, the Congress is pinning its hopes on the anti-incumbency sentiment stemming from the ten-year rule of the Left parties. If the Congress fails to perform well in these two states, its national political aspirations will undoubtedly suffer a setback. Bengal and Tamil Nadu are both politically significant states. Their significant Lok Sabha seats further enhance their political significance. Regional parties are firmly entrenched in both states. Bengal, once a stronghold of the Left parties led by the CPI(M) and then the Trinamool Congress, has long disappointed national parties. The BJP made every effort in the last election, yet failed to oust Mamata Banerjee from power. The DMK's stronghold in Tamil Nadu, which has been strengthened since Jayalalithaa's death, shows no signs of weakening. The BJP tried hard to make inroads in this state, but, having given up, opted to rely on allies. The entry of actor-turned-politician Vijay Rupani into politics has also made the state elections interesting. However, the results of these two states will determine not only the regional satraps' hold on state power but also their influence in national politics.

The backdrop of this election is also vastly different compared to previous assembly elections, and this could impact the results. The 2021 elections were held during the COVID-19 pandemic, which impacted everything from the election campaign to the voting process. In comparison, this time the elections are being held under normal circumstances. The significant increase in voter turnout in Assam, Kerala, and Puducherry clearly underlines this. Another important aspect is the SIR. In Assam, Kerala, and Puducherry, the SIR did not result in many voter deletions, and there was no significant controversy there. Meanwhile, in Tamil Nadu, 70 to 80 lakh names and in Bengal, nearly 10 million names were deleted from the voter list due to SIR. This is a significant figure. The Bihar verdict was a clear example of how the deletion of suspicious voter names from the SIR significantly impacts not only voter turnout but also the final results. Consequently, if the ruling parties' political fortunes in the Bengal and Tamil Nadu elections turn, they will attempt to make it a major issue. This could impact future SIR processes, with some suspicious parties making strenuous efforts to obstruct them. There's also a strong possibility of increased conflict over the delimitation issue, a point about which leaders in the South have already expressed reservations. If the Congress fails to achieve political success, it will return to the same predicament it found itself in during Rahul Gandhi's "Bharat Jodo Yatra." Some political analysts believe that Rahul's visit played a key role in creating a favorable environment for the Congress in the Lok Sabha elections. The party was able to overcome two consecutive humiliating performances, reaching nearly 100. If its performance in the assembly elections is poor, its position in the INIDA will also be further weakened. If Trinamool Congress wins in Bengal and the DMK in Tamil Nadu, its position will be further weakened. While the DMK may be in the Congress camp, its weakening could increase pressure on the Congress. She is unlikely to shy away from this. While Mamata Banerjee may be immersed in state politics, her national aspirations frequently surface. Several opposition leaders have been pushing her name to lead the INDIAN. Consequently, the outcome of these elections could also impact the unity of the opposition alliance.

# सिद्ध पीठ काली माता मंदिर की जमीन की होगी पैमाइश, 40 लाख का बिजली बिल अब जूना अखाड़ा चुकाएगा

मुरादाबाद की सिद्धपीठ काली माता मंदिर की जमीन की पैमाइश कराई जाएगी। इस बारे में डीएम आश्वासन दिया है। अखाड़े के प्रवक्ता नारायण गिरि ने बताया कि मंदिर की व्यवस्था फिलहाल ठीक नहीं है। कई मुद्दों को लेकर है।मुरादाबाद की सिद्ध पीठ शनिवार को पैमाइश कराई कर्मचारियों को भेजने का होने से स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। नारायण गिरि ने बताया कि मुलाकात डीएम अनुज सिंह से की जमीन की नाप करने के लिए स्थिति में मंदिर की व्यवस्था है। मंदिर पर बिजली बिल 40 सबमर्सिबल भी ठीक नहीं है। अधिकारियों से संपर्क किया गया सबमर्सिबल ठीक कराने का गुरुओं की मूर्तियां भी क्षतिग्रस्त पदाधिकारियों ने महासभा में सवा है।रविवार को अखाड़े की तरफ गया है। इस दौरान मंदिर की

अधिकारियों से संपर्क किया गया काली माता मंदिर के जमीन की जाएगी। इस मामले में डीएम ने राजस्व आश्वासन दिया है। जमीन की नाप श्री पंच दशनाम अखाड़े के प्रवक्ता शुक्रवार को साथी संतों के साथ उनकी हुई थी।डीएम ने बताया कि मंदिर लेखपाल को भेजा जाएगा। वर्तमान ठीक नहीं है। वहां टिनशेड लगाना लाख रुपये बकाया है। हैंडपंप और इस मामले में जल कल विभाग के है।उन्होंने पेयजल के लिए हैंडपंप और भरोसा दिया है। समाधि लेने वाले हो गई है। अखाड़ा के शीर्षस्थ करोड़ रुपये खर्च करने के लिए कहा से मंदिर पर भंडारे का कार्यक्रम रखा अच्छी व्यवस्था के लिए लोगों की राय ली जाएगी। इसके बाद आगे का कार्यक्रम तय होगा। नए महंत की मौजूदगी में मंदिर में पूजा पाठ का कार्यक्रम नियमित रूप से शुरू किया गया है। देश में अखाड़े के 61 केंद्र- प्रवक्ता ने बताया कि श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के देश में 61 केंद्र मौजूद हैं। विदेश में अमेरिका, इंग्लैंड और नेपाल में भी मठ मंदिर संचालित है। देश में करीब साढ़े सात लाख साधु संत अखाड़े से जुड़े हुए हैं। प्रयागराज के लिए भेजे गए महंत साथियों पर हमला कर भाग निकले- लालबाग स्थित काली माता मंदिर से प्रयाग राज भेजे गए महंत सज्जन गिरि रायबरेली के आस पास अपने साथियों पर हमला कर भाग निकले हैं। श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के महंत की इस सूचना पर जिला पुलिस जांच के लिए सक्रिय हो गई है। एसएसपी के निर्देश पर मंदिर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। लालबाग स्थित काली माता मंदिर के पूर्व महंत सज्जन गिरी और राम गिरि को पुलिस ने प्राइवेट वाहन से महंत ग्रीशानंद गिरी और महंत आनंदेश्वर गिरि के साथ नौ अप्रैल को प्रयागराज के लिए भेजा था। आरोप है कि लखनऊ के बंथरा निवासी सज्जन गिरि रायबरेली के आसपास पहुंचने पर अपने करीबी लोगों को बुलाए और साथियों पर हमला कराने के बाद वहां से कहीं चले गए हैं। श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के महंत हितेश्वर गिरि और महाकाल गिरि ने एसएसपी को पत्र के माध्यम से यह सूचना दी है। बताया है कि सज्जन गिरि ने भागने के लिए अपने अज्ञात साथियों को बुलाया था। आशंका जताई है कि सज्जन गिरि अपने साथियों के साथ काली माता मंदिर के नवनियुक्त महंतों को भी क्षति पहुंचा सकते हैं। इस मामले में मंदिर पर पुलिस फोर्स तैनात कर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एसएसपी सतपाल अंतिल का कहना है कि अखाड़े की सूचना पर पुलिस घटना की जांच कर रही है। पता चला है कि महंत सज्जन गिरि अपने परिवार के संपर्क में थे।

## ट्रैक्टर-ट्रॉली ने टैंपो में मारी टक्कर, महिला की मौत, पांच घायल

भगतपुर थाना क्षेत्र के मलहूपुरा के पास शुक्रवार देर रात एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ने सवारियों से भरे ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी, हादसे में 55 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि परिवार के पांच अन्य सदस्य और ऑटो चालक घायल हो गए। परिवार एक समारोह से खुशियां मनाकर लौट रहा था, लेकिन इस हादसे ने खुशियों को मातम में बदल दिया।जानकारी के अनुसार टांडा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम लम्बापुरी

सूरजपुर निवासी उस्मान का परिवार शुक्रवार को एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दौलपुरी (थाना भगतपुर) गया था, जहाँ शनिवार को शादी होनी है। देर रात वापसी के दौरान, जैसे ही उनका ऑटो मलहूपुरा के नजदीक पहुंचा, एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टांडा ले जाया गया जहाँ डॉक्टरों ने बिलकीस 55 पत्नी उस्मान को मृत घोषित कर दिया वहीं आयशा, रिहाना पुत्री उस्मान, मरजीना पत्नी मुबश्शर अली, बिलकीस की भांजी मुनीफा और ऑटो चालक अब्दुल करीम को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से घर भेज दिया। बिलकीस की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक महिला अपने पीछे तीन बेटियां और चार बेटे छोड़ गई है।

## मुरादाबाद-शाहजहांपुर के बीच बिछेगा हाई स्पीड ट्रैक, अब मिनटों में तय होगा सफर!

मुरादाबाद से शाहजहांपुर तक वंदे भारत ट्रेनों की रफ्तार बढ़ाने के लिए रेलवे हाई-स्पीड ट्रैक बिछाएगा। पहले चरण में मुरादाबाद-बरेली के बीच 150 किमी नई लाइन बनेगी, जिस पर 34 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इससे वंदे भारत 160 किमी प्रति घंटे की गति से दौड़ सकेगी।मुरादाबाद से बरेली और आगे शाहजहांपुर तक रेलवे अब हाई स्पीड ट्रैक बिछाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रहा है। मौजूदा पुरानी रेल लाइन को हटाकर नई तकनीक से लैस ट्रैक बिछाया जाएगा, जिस पर वंदे भारत ट्रेन 160

किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकेगी। अभी इस रूट पर वंदे भारत की गति 110 से 120 किमी प्रति घंटा के बीच ही सीमित है, जिससे समय की अपेक्षित बचत नहीं हो पा रही है। योजना के तहत पहले चरण में मुरादाबाद से बरेली के बीच नई लाइन बिछाई जाएगी। करीब 150 किमी लंबे इस ट्रैक के निर्माण पर लगभग 34 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।रेलवे ने इसके लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली है और चालू वित्तीय वर्ष में ही काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मुरादाबाद जंक्शन से होकर वर्तमान में तीन वंदे भारत ट्रेनें संचालित हो रही हैं, जो देहरादून-लखनऊ, सहारनपुर से वाराणसी-अयोध्या और मेरठ-लखनऊ रूट पर चलती हैं।अब नया हाई स्पीड ट्रैक बिछाए जाने से वंदे भारत एक्सप्रेस 160 किमी प्रति घंटा के स्पीड से मुरादाबाद से शाहजहांपुर के बीच दौड़ सकेगी। इसी को देखते हुए रेलवे अब आधुनिक सिग्नल प्रणाली और हाई स्पीड ट्रैक पर जोर दे रहा है। दूसरे चरण में इस परियोजना को शाहजहांपुर होते हुए लखनऊ तक विस्तारित करने की योजना है। साथ ही अन्य दिशाओं की ओर भी मुरादाबाद रेल मंडल में नई लाइन बिछाने की संभावनाएं भी तेजी से उभर रही हैं। अधिकारियों का मानना है कि इस परियोजना के पूरा होने के बाद अगले एक वर्ष में मंडल में हाई स्पीड ट्रेनों के संचालन का मार्ग पूरी तरह साफ हो जाएगा। मुरादाबाद-बरेली-शाहजहांपुर के बीच नई रेल लाइन बिछाई जाएगी। इससे वंदे भारत ट्रेनों की रफ्तार बढ़ेगी और यात्रियों के समय की बचत होगी। - आदित्य गुप्ता, सीनियर डीसीएम

## 9 साल बाद मिला छह बहनों का इकलौता भाई

कहते हैं कि अगर दुआओं में दम हो और आंखों में उम्मीद तो बिछड़े हुए लोग मुकद्दर से मिल ही जाते हैं। 9 साल पहले घर से लापता हुए मंदबुद्धि युवक विकास के घर लौटने की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। छह बहनों के इकलौते भाई की घर वापसी ने परिवार की खुशियां लौटा दी हैं।नगर के जाटवान मोहल्ला निवासी मंदबुद्धि विकास के पिता ऑपरेटर प्रेमदास ने बताया कि विकास 33 वर्ष की

आयु में 9 वर्ष पूर्व 17 मार्च 2017 शुक्रवार सुबह 10 बजे के समय नगर के भूड़ा गेट के पास से अचानक गायब हो गया था। परिजनों ने गुमशुदगी भी दर्ज कराई थी और काफी खोजबीन की थी। लेकिन लंबे समय तक भी जब उसका पता नहीं चला तो परिजनों ने अनहोनी की आशंका मानकर उसकी तलाश धीमी कर दी थी। जैसे-जैसे साल बीतते गए, पिता की उम्मीदें धुंधली पड़ती गईं। लेकिन उसकी बहनों को उसके वापस लौटने की उम्मीद हमेशा बनी रही बहनों की आंखें सड़क से गुजरने वाले युवकों के बीच अपने भाई को तलाश करती रहती थीं। बहन प्रियंका ने बताया कि मुरादाबाद में लावारिस घूमता हुआ दिखा विकास, मंदबुद्धि विकास की बहन प्रियंका ने बताया कि वह पाकबाड़ा के डेंटल कॉलेज में नौकरी करती है।8 मार्च को उनका भाई मुरादाबाद में लावारिस हालत में घूमता हुआ दिखाई दिया। चेहरा काफी बदल चुका था और आगे के दांत भी टूटे हुए होने से पहचानना लगभग नामुमकिन था। उन्होंने पुलिस व अपने पिता को फोन किया और लोगों की मदद से उसके शरीर के चोटों के निशान और उसके चाल चलन से उसे पहचान लिया। जिसके बाद विकास जब परिजनों के सामने आया, तो एक बार को सब असमंजस में थे भाई वर्षों बाद देख कर बहनें फूट-फूट कर रो पड़ीं। रिश्तेदार और आसपास के लोग करीब एक दशक बाद मिले विकास को देखने के लिए उनके घर पहुंच रहे हैं और सब प्यार से उसे निहार रहे हैं।

## पत्नी के साथ घर लौट रहे थे अंकित, पल भर में लहूलुहान हुई गर्दन; प्रतिबंधित मांझे ने फिर बरपाया कहर

मुरादाबाद के बुध बाजार में पत्नी के साथ बाइक से जा रहे एक दुकानदार अंकित सैनी की गर्दन में प्रतिबंधित मांझा फंस गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पिछले दस महीनों में दस से अधिक लोग घायल हो चुके हैं। कोतवाली क्षेत्र में पत्नी के साथ बाइक से घर जा रहे दुकानदार की गर्दन में प्रतिबंधित मांझा फंस गया। इसके रगड़ से उनके गर्दन पर जख्म बन गया। वह बाइक समेत गिर पड़े। आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। दुकानदार की हालत गंभीर बनी हुई है। शहर में आए दिन प्रतिबंधित मांझा से घटनाएं हो रही है, इसके बाद भी इसकी बिक्री नहीं रुक रही है। बगला गांव निवासी अंकित सैनी कपड़े की दुकान चलाते हैं। शुक्रवार को वह बाइक से अपनी पत्नी के साथ शहर के बुध बाजार में खरीदारी करने आए थे। दोपहर करीब 12 बजे खरीदारी करके बाइक से वापस अपने घर लौट रहे थे। वह बुध बाजार पुलिस चौकी के पास पहुंचे तो हवा में उड़ता हुआ प्रतिबंधित मांझा उनकी गर्दन में फंस गया।जब तक वह बाइक रोकते तब तक चाइनीज मांझे से उनका गर्दन जख्मी हो गया। अचानक बाइक रोकने पर वह बाइक समेत गिर गए। आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस भी पहुंच गई। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया। अंकित सैनी ने बताया कि मैंने हेलमेट लगा रखा था। इससे टकराकर प्रतिबंधित मांझा मेरे गर्दन में फंस गया। जब तक मैं बाइक रोकता, तब तक उसके रगड़ से गर्दन में घाव हो गया।पिछले दस माह में दस से अधिक लोग प्रतिबंधित मांझे से हुए घायल- प्रतिबंधित मांझा आए दिन लोगों की जान का दुश्मन बनने लगा है। पिछले दस माह में दस से ज्यादा लोग प्रतिबंधित मांझे की चपेट में आकर घायल हो चुके हैं। आए दिन हो रही घटनाओं के बाद भी इसकी बिक्री नहीं रुक पा रही है। इन दस में एक सिपाही भी घायल हुआ है।जब कभी घटना होती है तो पुलिस अभियान चलाकर इसकी बिक्री रोकने की बात कह जाती है, लेकिन स्थिति जस की तस ही बनी रहती है। गली मोहल्ले में चोरी छिपे इसे बेचा जा रहा है। सिविल लाइंस निवासी अधिवक्ता अजय बंसल की बेटी बीटेक छात्रा अंशिका दिल्ली रोड पर जा रही थीं।लोकोशेड पुल के पास प्रतिबंधित मांझे से अंशिका की गर्दन पर जख्म बन गया था। वह बुरी तरह लहूलुहान हो गई थीं। पिता के साथ बाइक पर आगे बैठकर जा रहे दो साल के बच्चे की गर्दन भी इसी से जख्मी हो गया था। इसी मांझे से जामा मस्जिद पुल पर एक व्यापार भी जख्मी हो गए थे। क्षेत्र के तंबाकू वालान निवासी मो. इकबाल की गर्दन पर भी घाव हो गया था।

### संक्षिप्त समाचार

## निजी अस्पताल संचालक को पीटा, भाजपा नेता समेत छह पर रिपोर्ट, पुलिस कर रही जांच

मुरादाबाद में निजी अस्पताल संचालक ने भाजपा नेता समेत अन्य पर मारपीट का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस संबंध में मझोला थाने में केस दर्ज किया गया है।कटघर के गोविंद नगर निवासी एवं निजी अस्पताल के संचालक लक्ष्मण सिंह ने भाजपा नेता अर्पित समेत चार नामजद और दो अज्ञात लोगों पर पिटाई करने का आरोप लगाते हुए मझोला थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। लक्ष्मण सिंह ने मझोला थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसने जिला अस्पताल में हो रही अनियमितताओं की मुरादाबाद से लेकर राजधानी लखनऊ तक शिकायतें की थीं। उसका दावा है कि उसके पाकबड़ा स्थित आयुष्मान अस्साल को भी इसी कारण सील किया गया था।आठ मार्च 2026 को मझोला के खुशहालपुर निवासी ओमवीर ने उसे बताया कि उसकी स्वास्थ्य विभाग में जान पहचान है। अस्पताल का मामला निपटा देगा। वह ओमवीर के साथ उसकी कार में बैठकर चला गया। कार में बुद्धि विहार निवासी सुमित ठाकुर, जिला अस्पताल के पास रहने वाला अक्षय, पाकबड़ा के गिन्नौर दी माफी निवासी अर्पित, कुंदरकी के शेखूपुर निवासी ओमकार और दो अन्य युवक सवार थे। आरोपी उसे दिल्ली बरेली हाईवे पर ले गए। सुमित ठाकुर ने कार में ही उसकी पिटाई कर दी। उसकी कमर में लात मारी। जिसमें वह घायल हो गया। इसके बाद भी इन लोगों ने उसके साथ मारपीट की। इसके बाद थाने के पास फेंक कर भाग गए। आरोपियों ने तमंचे से फायरिंग भी की। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर चार नामजद, दो अज्ञात के खिलाफ मारपीट,धमकी देने, जान लेवा हमला करने समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

## एसआईआर : जिले में कट गए दो लाख 48 हजार 116 मतदाता

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में जिले में दो लाख 48 हजार 116 मतदाताओं के नाम कट गए। एसआईआर प्रक्रिया से पहले जिले की सभी छह विधानसभाओं में कुल 24 लाख 59 हजार 455 मतदाता पंजीकृत थे। एसआईआर प्रक्रिया पूरी होने के बाद शुक्रवार को जारी अंतिम मतदाता सूची में अब जिले में 22,11,339 मतदाता रह गए हैं।मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से पहले जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 24,59,455 मतदाता थे। इसके बाद जिला निर्वाचन अधिकारी अनुज सिंह ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में एसआईआर प्रक्रिया के समापन पर अंतिम रूप से मतदाता सूची जारी कर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची की एक-एक प्रति वितरित की। उनसे प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली। सभी ने इस पर संतुष्टि जताई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिले में पिछले साल अक्टूबर में शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया के दौरान जब 6 जनवरी 2026 को निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य (ड्राफ्ट) प्रकाशित किया गया तो जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 20,71,844 रह गई। हालांकि इसके बाद निर्वाचन आयोग के निर्देश पर बढ़ी समयावधि में अनमैप्ड मतदाताओं को नोटिस जारी कर सुनवाई की गई और इसी बीच मतदाताओं से फार्म-6, फार्म 7 और 8 भरवाकर प्रक्रिया बढ़ाई गई तो इसके पूरा होने के बाद अब अंतिम रूप से जारी मतदाता सूची में सभी छह विधानसभाओं को मिलाकर जिले में कुल 22,11,339 मतदाता हो गए हैं।उन्होंने बताया कि आलेख्य प्रकाशन के बाद की प्रक्रिया के बाद मतदाताओं की संख्या में 1,39,495 का इजाफा हो गया। जिले के कुल मतदाताओं में 11,91,155 पुरुष, 10,20,114 महिला और 70 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। अंतिम मतदाता सूची जारी करने के दौरान सपा जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव, कुंदरकी के पूर्व विधायक हाजी रिजवान, महेंद्र कुमार, कांग्रेस जिलाध्यक्ष विनोद गुम्बर, आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता शाने आलम, भाजपा सहित अन्य राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। अंतिम मतदाता सूची में विधानसभावार स्थिति

विधानसभा का नाम पुरुष मतदाता महिला मतदाता थर्ड जेंडर कुल मतदाताओं की संख्या कांठ 1,96,137 1,66,198 9 3,62,344ठाकुरद्वारा 1,90,989 1,64,130 1 3,55,120मुरादाबाद ग्रामीण 1,71,581 1,47,893 6 3,19,480 मुरादाबाद नगर 2,49,377 2,21,916 34 4,71,327 कुंदरकी 1,81,299 1,52,574 9 3,33,882 कुल 11,91,155 10,20,114 70 22,11,339

**क्यूँ न लिखूँ सच**

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

**संपादक - नरेश राज शर्मा**

**मो. 9027776991**

**RNI NO- UPBIL/2021/83001**

**इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।**

ज़्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

## भगतपुर थाने का एसपी ग्रामीण ने किया अर्धवार्षिक निरीक्षण, ग्राम प्रहरियों संग गोष्ठी आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच/ भगतपुर – ठाकुरद्वारा क्षेत्र के थाना भगतपुर में एसपी ग्रामीण कुँवर आकाश सिंह ने डिप्टी एसपी आशीष प्रताप सिंह के साथ अर्धवार्षिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्राम प्रहरियों के साथ गोष्ठी आयोजित कर उन्हें पहचान पत्र वितरित किए और ड्यूटी के प्रति सतर्क एवं जिम्मेदार रहने के निर्देश दिए। इस दौरान एसपी ग्रामीण ने थाना परिसर में मौजूद अभिलेखों, मिशन शक्ति केन्द्र, महिला हेल्प डेस्क, हवालात, संपत्ति गृह, भोजनालय, बैरक, थाना कार्यालय तथा सीसीटीएनएस कार्यालय का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने अभिलेखों के सही रख-रखाव पर जोर देते हुए रजिस्टर नंबर-08 को अद्यावधिक रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर में ईंटों की समुचित व्यवस्था, मरम्मत कार्य तथा साफ-सफाई को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

एसपी ग्रामीण ने कहा कि पुलिस कर्मी आमजन की समस्याओं के समाधान में तत्परता दिखाएं और कार्य प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाएं, जिससे जनता का विश्वास पुलिस पर और मजबूत हो सके। साथ ही थाना परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने और कार्य प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कुंवर आकाश सिंह मुरादाबाद द्वारा क्षेत्राधिकारी आशीष प्रताप सिंह ठाकुरद्वारा के साथ थाना भगतपुर में आयोजित थाना समाधान दिवस के अवसर पर फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में निकलने वाली झांकियों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही, शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु पीस कमेटी की बैठक आयोजित कर संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गए। 14 अप्रैल को प्रस्तावित भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती को लेकर थाना परिसर में पीस कमेटी के साथ ही जुलूस, शोभायात्रा और कार्यक्रम आयोजकों के साथ बैठक की गई। जिसमें अधिकारियों ने लोगों से शांतिपूर्ण ढंग से जयंती को मनाने की अपील की है। इस अवसर पर थाना प्रभारी राजीव कुमार शर्मा, समस्त पुलिस स्टाफ एवं संभ्रांत नागरिक एवं ग्राम प्रधान मौजूद रहे।

## महात्मा ज्योतिबा फुले जी की 199वीं जयंती हर्षोल्लास एवं श्रद्धापूर्वक मनाई गई

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय में महान समाज सुधारक, विचारक एवं क्रांतिकारी विभूति महात्मा ज्योतिबा फुले जी की 199वीं जयंती बड़े ही हर्षोल्लास एवं श्रद्धापूर्वक मनाई गई। यह आयोजन विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर डॉ के.पी. सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।समारोह की शुरुआत विश्वविद्यालय परिसर स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित करके की गई। इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह जी, कुलसचिव हरीश चंद जी एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने फुले जी के चित्र एवं प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। यह पूरा कार्यक्रम महात्मा ज्योतिबा फुले शोधपीठ के तत्वावधान में एवं डॉ. सुरेश कुमार के कुशल मार्गदर्शन एवं देखरेख में संपन्न हुआ। इस अवसर पर रूटा टीचर एसोसिएशन परिसर के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार सिंह, प्रोफेसर सलीम खान, श्री सुधाकर मौर्य सहित विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी ने महात्मा ज्योतिबा फुले के आदर्शों पर चलने एवं उनके योगदान को याद रखने का संकल्प लिया।

### सीएम योगी से मिले महापौर डॉ. उमेश गौतम

## बरेली विकास को मिली रफ्तार : 140 करोड़ के मेगा प्लान को हरी झंडी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। महापौर डॉ. उमेश गौतम ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। करीब आधे घंटे चली इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने बरेली शहर में चल रहे विकास कार्यों की विस्तार से समीक्षा की और कई अहम निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि शहर में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान को और तेज किया जाए, ताकि यातायात और नागरिक सुविधाओं में सुधार हो सके। इसके साथ ही उन्होंने बहुप्रतीक्षित नाथ नगरी कॉरिडोर परियोजना की प्रगति पर भी चर्चा करते हुए इसे प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। इसमें शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए नगर निगम ने 140 करोड़ रुपये की व्यापक कार्य योजना तैयार की है। महापौर डॉ. उमेश गौतम की अध्यक्षता में हुई बैठक में 15वें वित्त आयोग के 37 करोड़ रुपये और अवस्थापना निधि के 105 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।इस बजट के तहत बरेली की करीब 400 छोटी-बड़ी सड़कों का निर्माण और सुधार किया जाएगा। साथ ही जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नए नालों का निर्माण और पुराने नालों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। रोबोट से होगी नालों की सफाई-बरेली को स्मार्ट सिटी की तर्ज पर विकसित करने की दिशा में भी बड़ा कदम उठाया जा रहा है। अब गहरे और खतरनाक नालों की सफाई के लिए रोबोटिक मशीनों का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे सफाई कर्मियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।इसके अलावा डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन सिस्टम को डिजिटल और पारदर्शी बनाया जाएगा। आधुनिक कूड़ा प्रबंधन मशीनें खरीदी जाएंगी, जिससे शहर की स्वच्छता व्यवस्था और बेहतर होगी। शहर में पेयजल आपूर्ति को मजबूत करने के लिए 17 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस धनराशि से उन क्षेत्रों में नई पाइपलाइन बिछाई जाएगी, जहां अब तक पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं है।बैठक के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूरे उत्तर प्रदेश के 17 नगर निगमों के कार्यों की जानकारी भी ली। उन्होंने जल्द ही सभी महापौरों के साथ एक बड़ी समीक्षा बैठक आयोजित करने का आश्वासन दिया, जिसमें शहरी विकास के नए एजेंडे तय किए जाएंगे।इस अवसर पर महापौर डॉ. उमेश गौतम ने मुख्यमंत्री को भगवान हनुमान की प्रतिमा भेंट कर बरेली की जनता की ओर से शुभकामनाएं दीं।2026 तक आधुनिक शहर बनाने का लक्ष्य-महापौर डॉ. उमेश गौतम ने कहा कि मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप बरेली के विकास का ब्लूप्रिंट तैयार कर लिया गया है।

### मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में स्पेशल HPV टीकाकरण कैंप

## बरेली की बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से मिलेगी सुरक्षा, तीन केंद्रों पर विशेष शिविर

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली ।मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले के अवसर पर शनिवार को जनपद के तीन नगरीय स्वास्थ्य केंद्रों - नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पुराना शहर, नदोसी और पीरबहोड़ा पर किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए एक विशेष स्पेशल एचपीवी (HPV) टीकाकरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह ने बताया कि एचपीवी टीकाकरण अभियान मिशन मोड में संचालित किया जा रहा है 7 हमारा उद्देश्य बरेली की बेटियों को एक स्वस्थ और कैंसर मुक्त भविष्य देना है। अपनी लाडली को दें सुरक्षा का उपहार, HPV टीके से करें कैंसर पर वार के संकल्प के साथ हम इस स्पेशल कैंप को सफल बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। स्वास्थ्य केंद्रों के सभी प्रभारियों को वैक्सीन की उपलब्धता और सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं।

इन केंद्रों पर दी जाएगी सुविधा- जिला प्रतिरक्षण अधीकारी डॉ प्रशांत रंजन के अनुसार यह विशेष टीकाकरण अभियान नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पुराना शहर, नदोसी और पीरबहोड़ा कोल्ड चेन पॉइंट्स पर आयोजित होगा।

अभियान की मुख्य बातें 14 वर्ष की किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा प्रदान करने हेतु टीका लगाया जाएगा। प्रत्येक आशा कार्यकर्ता को अपने क्षेत्र से कम से कम 4 पात्र लाभार्थियों को उनके अभिभावकों के साथ केंद्र पर लाने का लक्ष्य दिया गया है। टीकाकरण के साथ-साथ अभिभावकों को वैक्सीन की महत्ता के बारे में जागरूक और काउंसिल भी किया जाएगा।

डिजिटल ट्रैकिंग सभी टीकाकरण का डेटा यूविन पोर्टल पर रियल-टाइम दर्ज किया जाएगा। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने बताया कि 17 मार्च से शुरू हुए एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत अब तक 1386 किशोरियों को टीका लग चुका है ।

उच्चाधिकारियों द्वारा होगी निगरानी-अभियान की गंभीरता को देखते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह नें बताया कि राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन डॉ. अजमेर सिंह, समस्त अपर/उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी और जिला स्वास्थ्य समन्वयकों द्वारा केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण किया जाएगा। जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सभी अभिभावकों से अपील की है ये सुनहरा अवसर है कि रविवार के दिन वे अपनी 14 वर्ष की बेटियों को इस कैंप में लाकर उन्हें इस घातक बीमारी से सुरक्षित करने के लिए टीका अवश्य लगवाएं।

## बारादरी पुलिस ने दो शातिर चोरों को दबोचा, 2 बाइक बरामद , 24 घंटे में किया चोरी खुलासा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना बारादरी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मोटर साइकिल चोरी की घटना का मात्र 24 घंटे में सफल अनावरण कर दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की 2 मोटरसाइकिल भी बरामद की हैं।

दिनांक 10 अप्रैल 2026 को वादी विजय सिंह निवासी थाना जैतीपुर, शाहजहांपुर ने सूचना दी कि 6 अप्रैल को पवन विहार क्षेत्र से उनके तहेरे भाई के घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। इस पर थाना बारादरी में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने करीब 350 सीसीटीवी फुटेज खंगाले। मुखबिर की सूचना के आधार पर भरतौल रोड से दो युवकों को गिरफ्तार किया गया, जिनके पास से चोरी की 2 मोटरसाइकिल बरामद हुईं। नितिन कुमार (19 वर्ष ), निवासी परवाना नगर व अमन सागर (18 वर्ष ), निवासी छोटी बिहार इज्जतनगर पुलिस की पूछताछ में नितिन ने बताया कि उसे महंगे मोबाइल का शौक है और वह iPhone 17 खरीदना चाहता था। इसी लालच में उसने अपने साथी अमन के साथ मिलकर मोटरसाइकिल चोरी की। नितिन लॉक तोड़ता था और अमन बाइक को ले जाकर छुपा देता था। दोनों चोरी की बाइकों को बेचने की फिराक में थे, तभी पुलिस के हत्थे चढ़ गए।बरामदगी के आधार पर मुकदमे में अतिरिक्त धाराएं जोड़ते हुए आगे की विवेचना जारी है। दोनों अभियुक्तों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र सिंह रुहेलखंड चौकी इंचार्ज मनीष भारद्वाज , हेड मोहरीर राघवेंद्र सिंह , विनोद कुमार, धनवीर सिंह, साबिर अली मौजूद रहे। पुलिस की मुस्तैदी से एक बार फिर साबित हुआ कि अपराधियों के लिए कानून से बच पाना आसान नहीं।

## अमरिया में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष में समाजवादी पार्टी की विचार गोष्ठी आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत / अमरिया। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव असलम जावेद अंसारी के फार्म हाउस पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता शहर विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष इम्तियाज अल्वी ने की। गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में पिछड़ा वर्ग के प्रदेश सचिव सत्येन्द्र मौर्य उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता के रूप में जिलाध्यक्ष निरंजन कुमार गंगवार सहित अन्य वक्ताओं ने बाबा साहब के जीवन, संघर्ष और सामाजिक न्याय व समानता के उनके संदेश पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर के बताए मार्ग पर चलकर ही समाज में समानता स्थापित की जा सकती है। इस अवसर पर सपा जिला उपाध्यक्ष रूपराम कश्यप, जिला सचिव अदील मलिक, पूर्व जिला उपाध्यक्ष अशर्फी लाल सागर, रशीद मलिक, फैज़ अंसारी (शानू), राशिद खान सहित अनेक कार्यकर्ता व गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में बुजुर्ग साथियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया तथा सभी ने बाबा साहब के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

## संक्षिप्त समाचार

### मिशन शक्ति अभियान के तहत छात्र छात्राओं को सुरक्षा वे सरकारी योजनाओं संबंध में जागरूक किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/सिकंदर राजा / जिला मुरादाबाद थाना मुगलपुरा मिशन शक्ति अभियान फेज अ- 5.0 के अंतर्गत चल रहे मिशन शक्ति अभियान के सम्बन्ध मे लैंडमार्क पब्लिक स्कूल पर जाकर बालिकाओं के साथ गोष्ठी कर सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे-विधवा पेंशन योजनावृध्दावस्था पेंशन योजना सुकन्या समृद्धि योजनाप्रधानमंत्री आवास योजनामुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना ,कृषि कर भुगतान योजना, कन्या सुमंगला योजना , प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना आदि से अवगत कराते हुए एवं महिलाओं को उनकी सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे-वूमेन पावर लाइन-1090घरेलू हिंसा हेल्पलाइन-181 पुलिस आपातकालीन सेवा -112 स्वास्थ्य सेवा- 102,108 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर -1076 चाइल्ड लाइन 1098 साइबर क्राइम 1930, आदि के बारे में जागरूक किया गया तथा साइबर अपराध के बारे में जानकारी दी गई व पंपलेट वितरण किए गए रूस्ज्ञ 02 थाना मुगलपुरा जनपद मुरादाबाद

### दिनभर जल रहीं खंभों पर बत्तियां , जिम्मेदार सोए नगर निगम की बड़ी लापरवाही !

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। एक ओर जहां प्रदेश भर में बिजली बचाने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाता हैं, वहीं बरेली शहर में नगर निगम की लापरवाही खुलेआम बिजली की बर्बादी कर रही है। हालात ये हैं कि दिन के उजाले में भी सड़कों पर स्ट्रीट लाइटें धड़ल्ले से जलती नजर आ रही हैं। राजेंद्र नगर समेत शहर के कई मोहल्लों, गलियों और प्रमुख चौराहों पर सुबह से लेकर शाम तक लाइटें जलती मिलेंगी यह नजारा न सिर्फ हैरान करता है, बल्कि जिम्मेदार प्रकाश विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े करता है।स्थानीय लोगों के साथ साथ आम जनता का भी कहना है कि इस समस्या को लेकर शिकायत भी की गई, लेकिन केवल आश्वासन ही मिला, समाधान नहीं।एक तरफ आम जनता से बिजली बचाने की अपील की जाती है, तो दूसरी तरफ खुद नगर निगम का प्रकाश विभाग ही लापरवाही की मिसाल बना हुआ है। सवाल यह उठता है कि आखिर इस बर्बादी की जिम्मेदारी कौन लेगा? बिजली की बर्बादी के साथ-साथ नगर निगम की छवि भी धूमिल होती जाएगी। अब देखने वाली बात यह होगी कि बरेली नगर निगम का प्रकाश विभाग इस पर कब ध्यान देता है ।

### थाना समाधान दिवस में डीएम-एसपी ने सुनीं शिकायतें, त्वरित निस्तारण के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / थाना समाधान दिवस के अवसर पर शनिवार को थाना सुनगढ़ी में जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने पहुंचकर जनसुनवाई की। इस दौरान फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने आपसी विवादों से संबंधित मामलों में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर जाकर दोनों पक्षों को बुलाकर निष्पक्ष समाधान कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी शिकायत को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए और प्रत्येक प्रकरण का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही डीएम ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि थाना समाधान दिवस में बिना अनुमति अनुपस्थित रहने पर कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया कि जनसुनवाई में प्राप्त सभी शिकायतों पर गंभीरता से कार्यवाही सुनिश्चित करें। थाना समाधान दिवस के दौरान नायब तहसीलदार, थानाध्यक्ष, लेखपाल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

# बुलडोजर का वार, फूट रहा अपनों का गुब्बार , माननीयों की चुप्पी पर भी भड़के लोग,150 दुकानों पर लगाया निशान

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। सीएम ग्रिड योजना के नाम पर कोहाड़ापीर-नैनीताल रोड पर शुरू हुई निगम की घेराबंदी ने सियासी रूप लेना शुरू कर दिया है। भाजपाई ही खफा नजर आने लगे हैं। कार्रवाई की जद में आए पक्के भवनों पर नोटिस चस्पा किए गए हैं। सात दिन की मोहलत देकर निगम ने साफ कर दिया है कि खुद हथौड़ा चलाओ, वरना बुलडोजर चलेगा और उसका किराया भी तुम्हारी जेब से ही वसूला जाएगा। निगम प्रशासन की इस कार्यशैली ने व्यापारियों के सब्र का बांध तोड़ दिया है।इस पूरे प्रकरण में सबसे तीखा प्रहार भाजपा के भीतर से ही हो रहा है। भाजपा के कई कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह विकास नहीं, बल्कि सत्ता के नशे में चूर अधिकारियों की तानाशाही है। कुदेशिया फाटक पर जीआरएम स्कूल के सामने कारोबार करने वाले सुरेश ने कहा कि जिन लोगों ने पार्टी को खून-पसीने से सींचा, निगम के अफसर उन्हीं के वैध मकानों पर बिना नक्शा देखे बुलडोजर चलाने की धमकी दे रहे हैं। चेतावनी दी अगर माननीयों ने चुप्पी नहीं तोड़ी, तो कार्यकर्ताओं का यह गुस्सा वोट की चोट बन सकता है।व्यापार मंडल के पदाधिकारी अनिल अग्रवाल और भाजपा व आरएसएस से जुड़े सुमित गुप्ता ने भी निगम की मंशा पर सवाल उठाए। अनिल सिंह ने आरोप लगाया कि निगम के पास कोई स्पष्ट सीमांकन नहीं है और अधिकारी सिर्फ टारगेट पूरा करने के लिए बिना किसी तकनीकी जांच के लाल निशान लगा रहे हैं। कान्फेक्शनरी की दुकान चलाने वाली गीता ने कहा कि हमारे पास बीडीए से स्वीकृत नक्शे हैं, बीडीए से उन्होंने संपत्ति खरीदी थी, लेकिन अफसर सुनने को राजी नहीं। अफसरों कार्यशैली से नाराज लोगों का कहना है कि जिन कार्यकर्ताओं के कंधों पर सरकार टिकी है, वही माननीयों के दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन वहां से सिर्फ आश्वासन की घुट्टी मिल रही है। फिलहाल, कोहाड़ापीर के बाजार में दहशत और आक्रोश का माहौल है। एक तरफ निगम अपनी कार्रवाई पर अड़ा है, तो दूसरी तरफ भाजपा और अन्य संगठनों से जुड़े लोग आर-पार की लड़ाई का मन बना चुके हैं। कोहाड़ापीर से कुदेशिया फाटक तक शुक्रवार को अतिक्रमण चिह्नित करने पहुंची नगर निगम ने 150 से अधिक दुकानों समेत अन्य भवनों पर निशान लगाए। एक फीट से लेकर दस फीट तक दायरा नगर निगम के अनुसार अतिक्रमण की जद में आ रहा है। इन दुकानदारों को सात दिन का अल्टीमेटम दिया गया है। इस रोड के तमाम दुकानदारों में इस बात को लेकर नाराजगी है कि नक्शा समेत कई ऐसे दस्तावेज हैं कि उन्होंने मानक के अनुसार निर्माण कराया है। निगम के नक्शे-मानचित्र पर सवाल उठाते हुए लोगों ने कहा कि अन्यायपूर्ण तरीके से की जाने वाली इस कार्रवाई से वह रोड पर आ जाएंगे। इधर, निगम के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि वर्ष 1920-1921 के पुराने नक्शे के आधार पर ही निशान लगाए जा रहे हैं। इसी आधार पर कई जगह दो फीट से लेकर 11 फीट तक अतिक्रमण सामने आया है।

## संक्षिप्त समाचार

### मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम में बदलाव, नई समय-सारिणी जारी

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) ने मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम में संशोधन करते हुए नई समय-सारिणी जारी कर दी है। अब मतदाता सूची से संबंधित सभी कार्य संशोधित तिथियों के अनुसार संपन्न कराए जाएंगे। जारी कार्यक्रम के अनुसार, कंप्यूटर केंद्रों एवं अन्य निर्धारित स्थलों पर मतदाता सूची का कार्य, मतदाता स्थलों का वर्गीकरण, विभिन्न फॉर्मों की प्रक्रिया तथा एसवीएन आधारित कार्य 17 मार्च 2026 से 21 जून 2026 तक किए जाएंगे। वहीं, दावे और आपत्तियों के निस्तारण के उपरांत अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 22 अगस्त 2026 को किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि पुनरीक्षण कार्य को पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। इसके साथ ही आमजन को कार्यक्रम की जानकारी देने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर भी जोर दिया गया है, ताकि अधिक से अधिक लोग अपने नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकें या आवश्यक संशोधन करा सकें।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी विभाग निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार कार्य सुनिश्चित करें, जिससे निर्वाचन प्रक्रिया निष्पक्ष और सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

# कैंट विधायक संजीव अग्रवाल ने शटल मारकर किया , रोटरी बैडमिंटन टूर्नामेंट का आगाज़

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। स्थानीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में रोटरी क्लब साउथ द्वारा आयोजित दो दिवसीय बैडमिंटन टूर्नामेंट का शनिवार को भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि कैंट विधायक संजीव अग्रवाल ने फीता काटकर उद्घाटन किया। विधायक ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और खुद कोर्ट पर उतरकर शटल मारते हुए टूर्नामेंट की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि खेल अनुशासन, फिटनेस और मानसिक मजबूती का आधार हैं। कार्यक्रम में पूर्व मंडल अध्यक्ष डॉ. आई.एस. तोमर, डॉ. रवि मेहरा, रवि प्रकाश अग्रवाल सहित क्लब के पदाधिकारी मौजूद रहे। टीम वर्क से सफल आयोजन अध्यक्ष संजीव खंडेलवाल, सचिव संजय गर्ग, कोषाध्यक्ष सुजीत जायसवाल समेत आयोजन टीम ने व्यवस्थाएं संभाली। टूर्नामेंट चेयरमैन अनुपम कपूर व अन्य सदस्यों का सहयोग रहा। पहले दिन रोमांचक मुकाबले पहले दिन विभिन्न वर्गों में कड़े मुकाबले हुए। समापन पर विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। मैच संचालन में देवेंद्र थापा, मनोज राणा, दीपक धवन, मृदुल बत्रा, असीम जौहरी व मयंक मित्तल का सहयोग रहा।

## पत्रकार एकता का महाकुंभ: शमशाबाद में गूंजा कलम का संकल्प, विदिशा जिले में नई टीम का गठन

क्यूँ न लिखूँ सच/हाकम सिंह रघुवंशी/ शमशाबाद (विदिशा) ।कलम की ताकत, पत्रकारों की एकता और अधिकारों की आवाज को बुलंद करने का ऐतिहासिक क्षण उस समय देखने को मिला जब भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ, मध्य प्रदेश इकाई की एक भव्य और ऐतिहासिक बैठक 10 अप्रैल 2026 को शमशाबाद के ज्ञान ज्योति हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित की गई। यह केवल एक बैठक नहीं थी, बल्कि पत्रकारिता की गरिमा, सम्मान और हक की लड़ाई को नई दिशा देने वाला एक निर्णायक संगम बन गया, जहां विदिशा जिले के कोने-कोने से आए पत्रकारों ने एक मंच पर जुटकर अपनी एकजुटता का परिचय दिया। बैठक में प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी ऊर्जावान बना दिया। प्रदेश अध्यक्ष श्री उपेन्द्र गौतम, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष श्री सतनारायण वैष्णव, वरिष्ठ पदाधिकारी श्री रामगोपाल वंशाल सहित अनेक दिग्गजों की मौजूदगी ने पत्रकार साथियों में नया जोश भर दिया। सर्वसम्मति से हुआ जिला इकाई का गठन, नई टीम को मिली बड़ी जिम्मेदारी बैठक में विदिशा जिले के पत्रकार साथियों ने एक स्वर में संगठन को मजबूत करने का संकल्प लेते हुए जिला इकाई के गठन का प्रस्ताव रखा, जिसे प्रदेश अध्यक्ष द्वारा तुरंत स्वीकार करते हुए नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। घोषित पदाधिकारी- जिला अध्यक्ष– हाकम सिंह रघुवंशी कार्यकारी अध्यक्ष– योगेश पंथी महासचिव– रुपेश आर्य,, जिला उपाध्यक्ष विमल विश्वकर्मा,, रवि चौरसिया,, शाहिद खान,, सोनू नामदेव,, यशपाल रघुवंशी,, रामकृष्ण रघुवंशी,, सफीक खान,, कोषाध्यक्ष सौरभ जैन,, जिला सचिव सोनू धाकड़,, अलीम खान,, मायावती अहिरवार,, संयुक्त सचिव धर्मेंद्र प्रजापति,, कार्यकारिणी सदस्य अंकुश साहू,, कार्यकारिणी सदस्य सुंदर सिंह राजपूत,,राजकुमार अहिरवार सहित -नई टीम के गठन के साथ ही सभा में तालियों की गूंज और जोश से भरे नारों ने माहौल को ऊर्जा से भर दिया। हर क्षेत्र में संगठन को नई धार संगठन को जमीनी स्तर तक सशक्त बनाने के उद्देश्य से ब्लॉक इकाइयों का भी गठन किया गया- विदिशा ब्लॉक अध्यक्ष– आर.के. वासुदेव, लटेरी ब्लॉक अध्यक्ष– जगदीश बाबू योगी, शमशाबाद ब्लॉक इकाई का भी विधिवत गठन इस निर्णय ने साफ संकेत दे दिया कि अब संगठन केवल शहरों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि हर गांव, हर ब्लॉक तक पत्रकारों की आवाज को मजबूती मिलेगी। सम्मान, स्वागत और भावनाओं से भरा रहा पूरा आयोजन- कार्यक्रम के दौरान प्रदेश से आए सभी पदाधिकारियों का विदिशा जिले के पत्रकार साथियों द्वारा पुष्पमालाओं और गर्मजोशी से स्वागत किया गया। वहीं नवगठित जिला एवं ब्लॉक इकाई के पदाधिकारियों का भी मंच पर सम्मान कर उन्हें जिम्मेदारी का एहसास कराया गया। पूरे कार्यक्रम में एक अलग ही भावनात्मक माहौल देखने को मिला, जहां हर पत्रकार की आंखों में अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ने और संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का जुनून साफ झलक रहा था। 卐अब कोई पत्रकार अकेला नहीं卐 - एकजुटता का संदेश बैठक के अंत में सभी पत्रकार साथियों ने एक स्वर में संकल्प लिया कि-पत्रकारों के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों के लिए हर स्तर पर संघर्ष किया जाएगा, किसी भी साथी के साथ अन्याय होने पर पूरा संगठन एकजुट होकर खड़ा रहेगा, संगठन को गांव-गांव तक मजबूत किया जाएगा यह बैठक नहीं, एक आंदोलन की शुरुआत हैज्शमशाबाद की इस ऐतिहासिक बैठक ने यह साबित कर दिया कि जब पत्रकार एकजुट होते हैं, तो उनकी आवाज सिर्फ खबर नहीं रहती, बल्कि एक आंदोलन बन जाती है।

# मथुरा नाव हादसा: पत्नी का पति से छूटा हमेशा लिए साथ, हादसे में बचे लोगों ने उन पलों की भयावहता बताई

मथुरा के केसीघाट पर रिवर फ्रंट निर्माण के कारण यमुना का जलस्तर काफी घट गया है। अगर यमुना का जलस्तर सामान्य दिनों की तरह होता तो मंजर और भी भयावह हो सकता था। गनीमत रही कि जलस्तर कम है। इसलिए बचाव दल ने कई जिंदगियों को बचा लिया।मथुरा के वृंदावन में यमुना में हुए श्रद्धालुओं की मौत के मामले में बड़ी जानकारी सामने आई है। भीषण हादसे का सबब बने पांटून पुल को हटाने की कवायद की जा रही थी। श्रद्धालुओं से भरी मोटरबोट पांटून पुल के एंकर से उलझने के बाद पुल से टकराने के बाद पलट गई। हादसे के बाद 15 पीपों के पुल यमुना में बेलगाम होकर बहता रहा। इस दौरान उसे रोकने की काफी मशक्कत की गई मगर सफलता नहीं मिली। पुल के यमुना में बेलगाम बहने के कारण बचाव कर्मियों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। यमुना में सिंचाई विभाग रिवर फ्रंट विकसित करने का काम कर रहा है। इसके लिए यमुना की बालू को हटाने के लिए ड्रेजिंग मशीन लगाई गई है। सूत्रों ने बताया कि इस ड्रेजिंग मशीन को दूसरी ओर लगाने में पीपों का पुल बाधा बन रहा था। यही कारण था कि पीपों के पुल को हटाने का काम किया जा रहा था। पांटून पुल को बीच से हटा दिया गया। इसके बाद 15 पीपों के पुल को थामने के लिए नदी किनारे लगाए गए कुंडों को लोगों ने लोहे के गर्डर व रस्से बांधकर रोकने का प्रयास किया, लेकिन नदी के तेज बहाव के कारण 15 पीपों वाला यह पुल नदी में बहता चला गया।शुक्र रहा कि कोई और नाव इसकी चपेट में नहीं आई। बचाव कार्य में भी पीपों का पुल यहां से वहां नदी में तैरता रहा। इस कारण नदी में बचाव कार्य में जुटे सेना, एसडीआरएफ व स्थानीय गोताखोरों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।कम किया था प्रवाह... मथुरा के केसीघाट पर रिवर फ्रंट निर्माण के कारण यमुना का जलस्तर काफी घट गया है। अगर यमुना का जलस्तर सामान्य दिनों की तरह होता तो मंजर और भी भयावह हो सकता था। गनीमत रही कि जलस्तर कम है। इसलिए बचाव दल ने कई जिंदगियों को बचा लिया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना कि यमुना का जलस्तर कम होने के बाद यमुना किनारे जगह-जगह से बालू आदि को हटाया जा रहा है। इससे बचाव कार्य में जुटे दल को काफी मदद मिली। कम पानी होने से बचावकर्मी आसानी से श्रद्धालुओं तक पहुंच सके और उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला जा सका।पत्नी का पति से छूटा हमेशा लिए साथ- घायल श्रद्धालु अनिल और उनकी पत्नी जिला संयुक्त चिकित्सालय में उपचार के लिए लिए अचेतावस्था में एबुलेंस से पहुंचे। पति अनिल की जान बच गई जबकि उनकी पत्नी 55 वर्षीय सपना की जान नहीं बच सकी। पंजाब के मोगा निवासी अनिल हंस ने बताया कि वह वृंदावन घूमने आए थे। पूरा दल भगवान कृष्ण की नगरी में आकर खुश था। वह अपनी पत्नी के साथ आए थे लेकिन कुछ ही पल में खुशी गम में बदल गई। उन्होंने आखों में आंसू और रुंधे गले से बताया कि पत्नी सपना का जीवन नहीं रहा। उनके देखते देखते पत्नी की जान चली गई। मोटरबोट में वह कीर्तन करते हुए चल रह थे।लोगों ने बचाया- जिला संयुक्त चिकित्सालय में उपचार करा रहीं पंजाब के जगराऔ निवासी 57 वर्षीय राजेंद्र कौर ने आंखों देखा हाल बयां किया। वह बार-बार रो रही थीं। उन्होंने बताया कि मोटरबोट एक दूसरे के पीछे चल रहीं थीं। 37 श्रद्धालुओं से भरी मोटरबोट पांटून पुल के पास पानी कम होने कारण रेत में फंस गई। मोटरबोट को आगे बढ़ाया तो सामने पुल था। इसी दौरान हादसा हो गया। मोटरबोट गहरे पानी में डूब गई। कुछ लोगों को पुल पर खड़े लोगों ने बचाया और यमुना के किनारे पहुंचाया।मथुरा ~ यमुना में पांटून पुल से टकराकर पलटी मोटरबोट, 11 श्रद्धालुओं की मौत- मथुरा के वृंदावन में केसीघाट और बंशीवट के बीच पांटून पुल से टकराकर श्रद्धालुओं से भरी एक मोटरबोट पलटने से शुक्रवार को छह महिलाओं समेत 11 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। बोट पर लुधियाना, हिसार और मुक्तसर के करीब 37 श्रद्धालु सवार थे। बताया जा रहा है कि पांटून पुल को लापरवाही से हटाया जा रहा था जिसकी चपेट में मोटरबोट के आने से हादसा हुआ।स्थानीय गोताखोरों और पीएसी ने तत्परता दिखाते हुए 22 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि लापता लोगों की तलाश में सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ का रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। देर रात तक पांच श्रद्धालुओं का पता नहीं चल पाया था। शनिवार सुबह एक श्रद्धालु का शव मिला। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुख व्यक्त किया है।शुक्रवार सुबह लुधियाना व हिसार से दो बसों में लगभग 130 श्रद्धालुओं के दो दल वृंदावन पहुंचे थे। इनमें सबसे ज्यादा लुधियाना के हैं। डीआईजी शैलेश पांडेय ने बताया कि इसी दल के 37 श्रद्धालु मोटरबोट पर यमुना की सैर कर रहे थे। केसीघाट और बंशीवट के बीच अचानक मोटरबोट लहराने लगी और पांटून पुल से टकराकर पलट गई। मोटरबोट पलटते ही उसमें सवार श्रद्धालु यमुना में डूबने लगे और चीखपुकार मच गई। आसपास के लोगों के शोर मचाने पर स्थानीय गोताखोरों ने यमुना में छलांग लगाकर डूब रहे लोगों को बचाने का काम शुरू किया। सूचना पर पुलिस के साथ पीएसी के गोताखोर भी पहुंचे और 22 श्रद्धालुओं को बचा लिया। जिनमें से आठ को वृंदावन के रामकृष्ण मिशन अस्पताल व मांट स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।हादसे के बाद कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, डीआईजी शैलेश पांडेय और पुलिस अधीक्षक सिटी राजीव कुमार सिंह मौके पर पहुंच गए। जिलाधिकारी ने सेना की मदद मांगी। सेना की टुकड़ी भी मौके पर पहुंच गई और बचाव कार्य में जुट गई। देर रात तक बचाव कार्य चलता रहा।

## इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण में घटिया सामग्री के उपयोग का आरोप, बारिश के बाद खुली पोल

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / अमरिया विकासखंड के ग्राम पंचायत सरैंदा पट्टी में हुऐ इंटरलॉकिंग सड़क व नाली निर्माण कार्य में घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग के गंभीर आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हाल ही में हुई बारिश के बाद निर्माण कार्य की गुणवत्ता की वास्तविक स्थिति सामने आ गई, जिसमें ईंटें और मसाला (सीमेंट) अलग-अलग स्पष्ट रूप से नजर आने लगे हैं, जिससे कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान पर आरोप लगाते हुए कहा कि निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है। जब इस पर ग्रामीणों ने आपत्ति जताई तो ग्राम प्रधान पर दबंगई करने और धमकाने के आरोप भी लगाए गए। ग्रामीणों के अनुसार, विरोध करने पर ग्राम प्रधान द्वारा कथित रूप से कहा गया कि 卐कुछ भी कर लो, मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकते।卐 वहीं दूसरी ओर ग्राम प्रधान पति सादिक रजा ने लगाए गए आरोपों पर अलग ही तर्क दिया है। उनका कहना है कि सड़क पर लोग और बच्चे डंडे से चलकर निर्माण कार्य को नुकसान पहुंचा रहे हैं, जिसके कारण रेत हट गई और ईंटें अलग दिखाई देने लगी हैं। इस मामले में ग्राम पंचायत अधिकारी विरेंद्र कुमार गंगवार ने बताया कि उन्हें इस निर्माण कार्य की विस्तृत जानकारी नहीं है। हालांकि उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रकार की अनियमितता या गुणवत्ता में कमी पाई जाती है तो मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि इस प्रकरण ने पंचायत स्तर पर चल रहे विकास कार्यों की पारदर्शिता और निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब निर्माण कार्य की जानकारी जिम्मेदार अधिकारियों तक समय पर नहीं पहुंचती, तो विकास कार्यों की गुणवत्ता पर निगरानी कैसे संभव है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में कितनी गंभीरता दिखाता है और जांच के बाद क्या कार्रवाई की जाती है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

# बदायूं में दर्दनाक घटना: चलती कार में लगी आग, महिला की जिंदा जलकर मौत, बचाने में पति झुलसा

उत्तर प्रदेश के बदायूं जनपद में दिल दहला देने वाली घटना हुई है। उसहैत थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात चलती कार में आग लगने से महिला की जलकर मौत हो गई, जबकि उसका पति झुलस गया। पति का कहना है कि पत्नी पीछे वाली सीट पर सो रही थी। उसने बचाने का प्रयास किया, लेकिन वह नाकाम रहा। बदायूं के उसहैत थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात हुई एक हृदयविदारक घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। लखनऊ से इलाज कराकर लौट रहे दंपती की चलती कार में अचानक आग लग गई, जिससे पत्नी की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि उसे बचाने के प्रयास में पति गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। गांव में शोक की लहर दौड़ गई।जानकारी के अनुसार उसहैत निवासी अर्पित भारद्वाज अपनी पत्नी प्रिया भारद्वाज को लखनऊ के एक निजी अस्पताल से छुट्टी कराकर देर रात घर वापस जा रहे थे। रात करीब 1॰30 बजे उनकी कार उसहैत थाना के ग्राम रहौटा के पास पहुंची ही थी। इसी दौरान कार से अचानक धुआं उठने लगा और कुछ ही क्षणों में आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया।पीछे की सीट पर सो रही थी प्रिया- स्थिति को भांपते हुए अर्पित ने तुरंत कार को सड़क किनारे रोका और किसी तरह खुद बाहर निकल आए। अर्पित के मुताबिक उन्होंने पीछे की सीट पर सो रही पत्नी प्रिया

को बाहर निकालने की भरसक कोशिश की, लेकिन तब तक आग विकराल रूप ले चुकी थी। आग की तेज लपटों और धुएं के कारण वह कार के अंदर तक नहीं पहुंच सके और उनकी आंखों के सामने ही उनकी पत्नी जिंदा जल गई। पत्नी को बचाने के प्रयास में अर्पित के हाथ और चेहरा बुरी तरह झुलस गए। बताया जाता है कि घटना के बाद वह मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़े। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे तो अर्पित अचेत अवस्था में पड़े मिले और कार पूरी तरह जल चुकी थी। फायर ब्रिगेड ने बुझाई आग - सूचना पर उसहैत थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। साथ ही फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। अर्पित को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। बताया जाता है कि अर्पित और प्रिया की शादी करीब तीन वर्ष पूर्व हुई थी और उनकी एक वर्ष की मासूम बच्ची है, जो घटना के समय अपने दादा-दादी के पास उसहैत में ही थी। मासूम बच्ची को अभी इस बात का अहसास भी नहीं है कि उसकी मां अब इस दुनिया में नहीं रही। हादसे ने न सिर्फ एक परिवार को उजाड़ दिया, बल्कि पूरे क्षेत्र को गमगीन कर दिया है। गांव में हर आंख नम है और लोग इस घटना को लेकर स्तब्ध हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

## संक्षिप्त समाचार

### अधिवक्ता की बुजुर्ग मां से की लाखों की ठगी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। गणेशनगर में एक अनजान व्यक्ति ने अधिवक्ता की बुजुर्ग मां से सहानुभूति दिखाकर 80 हजार रुपये और सोने के जेवर ठग लिये। पीड़ित परिवार ने एडीजी से शिकायत की। एडीजी के आदेश पर सुभाषनगर में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। गणेशनगर नेकपुर निवासी अधिवक्ता नवीन कश्यप ने बताया, मां कमला देवी को एक अज्ञात व्यक्ति राजपाल ने दीवाली से पहले अपने जाल में फंसाना शुरू किया। धीरे-धीरे आरोपी ने विश्वास में लेकर कई बार में 70 हजार रुपये ले लिये। 20 दिसंबर 2025 को यूपीआई के माध्यम से 10 हजार रुपये और ट्रांसफर करा लिए। और मानसिक रूप से भ्रमित कर सोने अंगूठी और चैन आदि ले ली।

### गला दबाकर मारने की कोशिश, 6 पर मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। इज्जतनगर थाना क्षेत्र में दबंगों ने एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला कर दिया। पहले बातचीत करने के बहाने बुलाया, फिर मारपीट की और गला दबाकर मारने का प्रयास किया। जान से मारने की धमकी दी। शिकायत पर पुलिस ने इस मामले में छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। शिकायतकर्ता योगेश कुमार ने बताया, उनके पिता मुन्ना लाल को तीन अप्रैल को फोन करके घर से बुलाया गया। आरोपी आमोद गुप्ता ने उन्हें बातचीत के बहाने अपने घर कर्मचारीनगर इलाके में बुला लिया। वहां पहले से मौजूद आमोद गुप्ता, ओम प्रकाश गुप्ता, अभिषेक, प्रमोद कुमार समेत अन्य लोगों ने उनके पिता को घेर लिया। आरोप है, सभी ने मिलकर मुन्ना लाल की गर्दन दबाई, पट्टा लगाकर गला कसने की कोशिश की और जान से मारने का प्रयास किया। किसी तरह वह हमलावरों के चंगुल से छूटकर घर पहुंचे। परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित को थाने ले पीड़ित की तहरीर पर छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

### नल में उतरे करंट से मजदूर की मौत, मकान मालिक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। इज्जतनगर थाना क्षेत्र में करंट से मौत मामले में मजदूर की पत्नी ने मकान मालिक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। खजुरिया गांव निवासी रीता देवी ने थाना प्रभारी सुरेश चंद्र गौतम को बताया कि गांव निवासी तस्लीम खान अपने घर का निर्माण करा रहा था। उसके यहां राजमिस्त्री के साथ उनके पति सत्यपाल भी मजदूरी कर रहे थे। मकान में लगे नल में करंट आ रहा था। उनके पति व अन्य मजदूरों ने इस बारे में मकान मालिक तस्लीम को बताया तो उसने कहा कि कल तक इसे सही करा देगा। उसने नल सही नहीं कराया। शुक्रवार को उसके पति सत्यपाल पानी पीने गए तो उन्हें करंट लग गया। इससे वह बेहोश हो गए। अन्य मजदूर उन्हें उठाकर निजी अस्पताल ले गए जहां उनकी मौत हो गई। मृतक की पत्नी ने मकान मालिक पर लापरवाही का आरोप लगाया है। थाना प्रभारी सुरेश चंद्र गौतम ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में करंट से मौत होने की पुष्टि हुई। मजदूर की पत्नी की ओर से मकान निर्माण करा रहे शख्स के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। घटना की जांच की जा रही है।

# मेरठ सेंट्रल मार्केट: 35 साल की मेहनत मिट्टी में मिली, 70 करोड़ पर छिड़ा विवाद; अफसरों को क्यों बचा रही पुलिस?

मेरठ के शास्त्रीनगर के सेंट्रल मार्केट मामले में व्यापारियों ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर यह बाजार अवैध था तो 35 साल तक अधिकारी क्या कर रहे थे? यूपी के मेरठ के शास्त्रीनगर के सेंट्रल मार्केट में व्यापारियों ने जनप्रतिनिधियों और आवास विकास के अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने दोषी अधिकारियों पर बेहद हल्की धाराएं लगाई हैं और महीनों की गई। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर अधिकारी क्या कर रहे थे? महिलाओं ने कहा कि उनके जीवन की जमा पूंजी एक कहा कि एक ही दिन में बाजार नहीं बस मशक्कत कर बाजार को खड़ा किया। अगर के अधिकारियों ने शुरुआत में ही कार्रवाई को बसाने में निकल गया अब एकाएक आरोपी अफसरों के खिलाफ कार्रवाई की पर छिड़ा विवाद-व्यापारी नेता जितेन्द्र एवं नगर नियोजक के निर्देशानुसार 80 इसके तहत 10 फुट फ्रंट छोड़ते हुए 36 कुल 70 करोड़ रुपये जमा किए गए। और जगह छोड़ने के बावजूद दुकानें सील को नकारा-दूसरी ओर उप आवास आयुक्त करोड़ के दावे को सिरे से खारिज कर पास अब तक शमन के तौर पर केवल

बीतने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं यह बाजार अवैध था तो 35 साल तक हाथों में पोस्टर लेकर प्रदर्शन करते हुए झटके में छीन ली गई है। व्यापारियों ने गया। पिछले 30-35 साल से मेहनत, अवैध था तो आवास एवं विकास परिषद क्यों नहीं की। उनका पूरा जीवन बाजार उनकी दुकानें सील कर दी गईं। सभी ने मांग की गई।70 करोड़ के शमन शुल्क अग्रवाल अद्दू ने दावा किया कि वास्तुविद व्यापारियों को शमन के पत्र मिले थे। हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से व्यापारियों का तर्क है कि पैसा जमा करने कर दी गईं।उप आवास आयुक्त ने दावों अनिल कुमार सिंह ने व्यापारियों के 70 दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभाग के 15 करोड़ रुपये ही जमा हुए हैं। उन्होंने कहा कि नियम अनुसार सेटबैक छोड़ने पर लगभग 700 छोटे दुकानदारों को राहत मिल सकती है। जो धनराशि जमा है उसे व्यापारियों के आवेदन करने पर वापस करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।उधार लिया, मालिक से नहीं मांग रहे वेतन- दुकानों पर काम करने वाले अधिकांश कर्मचारी अपने मालिकों के प्रति बेहद निष्ठावान नजर आए। उनका कहना है कि जब उनके मालिकों का जीवनभर का व्यापार उजड़ गया है तो वे अपनी तनख्वाह के लिए उन पर दबाव कैसे डालें। आमतौर पर हर महीने की 7 तारीख को मिलने वाला वेतन इस बार अटक गया है। श्रमिकों ने बताया कि वे वर्तमान में दोस्तों और रिश्तेदारों से उधार लेकर घर का खर्च चला रहे हैं। उन्हें अपने मालिकों पर पूरा भरोसा है कि हालात सामान्य होते ही उनकी तनख्वाह मिल जाएगी।माननीयों के लापता के पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल-सेंट्रल मार्केट के व्यापारी अपनी दुकान और व्यापार चौपट होने से गमजदा हैं। व्यापारियों में सबसे ज्यादा गुस्सा भाजपा के जनप्रतिनिधियों के रवैये से है। बुधवार को 44 संपत्तियों पर सीलिंग के दौरान भी किसी भी भाजपा नेता के न पहुंचने से लोग आक्रोशित रहे। शुक्रवार को सोशल मीडिया पर भाजपा के जनप्रतिनिधियों के लापता लिखे हुए पोस्ट वायरल हुए। इसमें सांसद, मंत्री, विधायक, महापौर के साथ ही मेरठ से जुड़े पार्टी के आला नेताओं के भी फोटो लगे हैं। तमाम लोग इन पर कमेंट कर अपना गुस्सा बयां कर रहे हैं।व्यापारी नेता जीतू नागपाल नौचंदी पुलिस ने दिया नोटिस-मेरठ व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष पीएल शर्मा रोड निवासी जीतू सिंह नागपाल को नौचंदी पुलिस ने नोटिस जारी किया है। नोटिस में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सेंट्रल मार्केट में आवास विकास परिषद के द्वारा कार्रवाई की जा रही है। जीतू नागपाल इस कार्रवाई में लोगो को उकसाकर व्यवधान उत्पन्न करने के साथ ही मार्ग अवरुद्ध करने का प्रयास कर रहे हैं। यह नियमों का उल्लंघन है। नोटिस में पुलिस ने जीतू से पूछा है कि आदेशों और निर्देशों का उल्लंघन करने के पर क्यों न आपके खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया जाए। इस पर जीतू सिंह नागपाल ने कहा कि वह सेंट्रल मार्केट व्यापार संघ के साथ खड़े हैं। पुलिस ने उनको जानबूझकर परेशान करने की मंशा से नोटिस दिया गया है। वह इस तरह के नोटिस से डरने वाले नहीं है। हाउस अरेस्ट करके सरकार व्यापारियों की आवाज को नहीं दबा सकती है।जीतू ने कहा कि एडीएम सिटी बृजेश सिंह ने उन्हें जेल भेजने की चेतावनी दी थी। उन्होंने सपा आलाकमान को भी इस मामले की जानकारी दे दी है। वह जल्द लखनऊ जाएंगे। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के समक्ष अपनी बात रखेंगे।

# पत्नी से परेशान हूं, उस और बच्चे को..., दो लाख में हुआ था सौदा; महिला सिपाही और बेटे की हत्या में खुलासा

रामपुर में महिला सिपाही की कार में आग लगाने वाला 25 हजार का इनामी गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। दान सिंह ने प्रदीप को बताया था कि वह अपनी पत्नी से परेशान है और उसे व बच्चे को मारकर बीमा की रकम हासिल करना चाहता है। इसके लिए दो लाख रुपये में सौदा के मामले में फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी को पुलिस ने छिड़ककर लाइटर से आग लगाई थी। उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया में तैनात महिला सिपाही लता और उसके तीन वर्षीय बेटे लड्डू की मौत हो ने इस मामले में मिलक क्षेत्र के बेहटरा गांव निवासी दान सिंह समेत तीन कोतवाल पवन शर्मा के अनुसार फरार चल रहे पनवड़िया स्थित भमरौवा रोड थापूछताछ में प्रदीप ने बताया कि वह और दान सिंह दोस्त हैं। दान सिंह ने रुपये का पेट्रोल खरीदा। कोतवाल के मुताबिक प्रदीप ने कबूल किया कि सौदा- रामपुर पुलिस के अनुसार, दान सिंह ने प्रदीप को बताया था कि वह इसके लिए दो लाख रुपये में सौदा तय हुआ था, जिसमें से एक लाख रुपये की संपत्ति की जांच कराई जाएगी। साथ ही उसकी गाड़ियों को भी जब्त रामपुर जिले में महिला सिपाही और उसके मासूम बेटे की मौत हादसे में नहीं साथियों के साथ मिलकर उसे मार डाला था। आरोपी ने पत्नी को मारने के को कोल्ड ड्रिंक में नींद की गोलियां मिलाकर पिला दी थीं। इसके बाद में आग लगा दी थी।गंज कोतवाली इलाके में काशीपुर गांव के पास 25 करते हुए महिला सिपाही के पति और उसके दो अन्य साथियों को गिरफ्तार

तय हुआ था, जिसमें से एक लाख रुपये एडवांस दिए गए थेरामपुर में महिला सिपाही की हत्या गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने महिला सिपाही की कार में पेट्रोल है। गंज थाना क्षेत्र में 25 फरवरी को काशीपुर गांव के पास एक कार में आग लगने से श्रावस्ती गई थी। शुरुआत में इसे हादसा बताया गया था, लेकिन जांच में मामला हत्या का निकला।पुलिस आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मामले में दो आरोपी फरार थे। गंज निवासी प्रदीप यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित हत्या में शामिल होने के लिए उसे एक लाख रुपये दिए थे, जिसमें से उसने करीब 10,500 उसने और सलमान ने कार में पेट्रोल छिड़ककर लाइटर से आग लगाई थी।दो लाख में हुआ था अपनी पत्नी से परेशान है और उसे व बच्चे को मारकर बीमा की रकम हासिल करना चाहता है। एडवांस दिए गए थे। संपत्ति की होगी जांच-एसपी सोमेंद्र मीणा ने बताया कि आरोपी दान सिंह किया जा रहा है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। यह था पूरा मामला- यूपी के हुई थी, बल्कि उनकी हत्या की गई थी। कार में ही सवार महिला सिपाही के पति ने अपने लिए पहले से ही तैयारी कर ली थी। उसने नैनीताल से आते समय बाजपुर में ही पत्नी और बेटे काशीपुर रोड पर कार में एक डंपर से हल्की टक्कर लगाई और दो दोस्तों से पेट्रोल मंगवाकर कार फरवरी की रात हुई इस घटना में खुलासे के बाद हर कोई हैरान है। पुलिस ने घटना का खुलासा कर लिया है, जबकि दो साथी भागे हुए हैं। पुलिस का दावा है कि हत्या के पीछे पत्नी की मौत के बाद मिलने वाली डेढ़ करोड़ रुपये की सरकारी मदद को हड़पना था।आरोपी और लता ने की थी लव मैरिज-पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीणा ने बताया कि सीतापुर निवासी लता ने वर्ष 2021 में मिलक के ग्राम बेहटरा निवासी दान सिंह के साथ लव मैरिज की थी। शादी के बाद से लता सीतापुर में रहने के लिए दान सिंह पर दबाव डाल रही थी। जिस पर उसने लता और बेटे लड्डू को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। उसने अपने इस प्लान में रवि के अलावा नूरहसन, प्रदीप कुमार और अब्दुल करीम को शामिल किया। कोल्डड्रिंक में मिला दी नींद की गोलियां फिर प्लान के तहत दान सिंह अपनी पत्नी लता और बेटे लड्डू को लेकर नैनीताल गया। साथ में रवि भी था। वापस आते समय बाजपुर के पास दान सिंह ने कार रोकी और दो कोल्डड्रिंक लीं। दोनों में उसने नींद की गोलियां मिला दीं फिर लता और लड्डू को दे दी। कोल्ड ड्रिंक पीने के बाद दोनों बेहोश हो गए।इसके बाद दान सिंह ने जिस तरफ लता बैठी थी, वह साइड डंपर से अपनी कार टकरा दी, ताकि हादसा लगे। इसके बाद दान सिंह ने अपने साथी प्रदीप और सलमान को पेट्रोल लेकर बुलाया। दोनों ने कार पर पेट्रोल छिड़का और लाइटर से आग लगा दी।कार में जल गया मासूम-इसके बाद दान सिंह व रवि कार से कूद गए। कुछ देर में ही कार जलने लगी। आग लगने के कारण लता होश में आ गई और कार से बाहर निकली तो बाहर एक पानी भरे गड्ढे में गिर गई। वहां भी दान सिंह ने उसका मुंह पानी में डुबाने की कोशिश की। इस दौरान लड्डू कार के अंदर ही जल गया।ग्रामीणों के आने और प्लान फेल होता देख दान सिंह ने फिर पैंतरा बदला, उसने एंबुलेंस से लता को ले जाने की बजाय दूसरी कार में बैठाकर वह संजीवनी अस्पताल की ओर चल दिया। रास्ते में कार में रखी हथौड़ी से दो वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया।

# A confluence of history, art, and peace: The Khambhalida Caves hold the tranquility people yearn for.

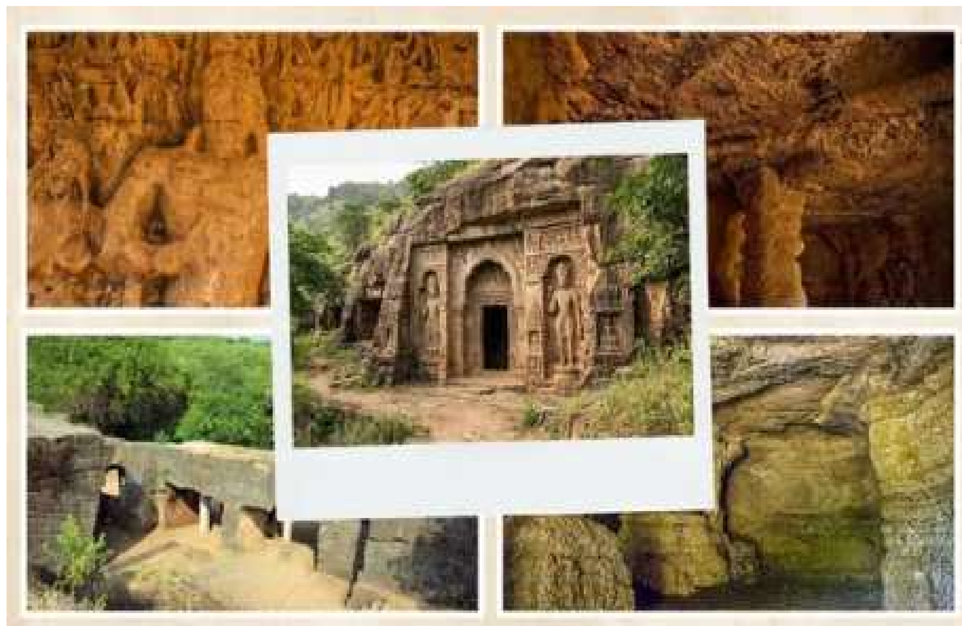

The 4th-century Khambhalida Caves near Rajkot are a wonderful confluence of history, art, and peace. Ancient 4th-century Buddhist caves near Rajkot offer stunning carvings of Bodhisattvas and a breathtaking sense of tranquility. Places like Gondal Palace and Hingolgarh Sanctuary are also attractions. If you want to delve into history and find a place that soothes your mind, the Khambhalida Caves near Rajkot are a great option. These Buddhist caves are believed to date back to the 4th century. Amidst the natural beauty and historical mysteries surrounding it, the stone carvings here bear testimony to the unparalleled hard work and devotion of the artists of that era. Visiting these caves will give you a close-up glimpse into the lives of ancient Buddhist monks, who spent their time meditating and studying in solitude, away from the hustle and bustle of the world. You've never seen a Bodhisattva like this—as soon as you step inside the caves, you'll feel as if the wheels of time have turned back. The main attraction is the main cave, which houses intricately carved statues of Bodhisattvas. The carvings are so magnificent that you'll be captivated by the art of the ancient craftsmen. Additionally, there are numerous smaller shrines and figures, all exquisitely crafted. These sculptures are not just stones, but they tell profound stories of compassion, faith, and spiritual enlightenment. The soul-touching serenity of Khambhalida - Khambhalida's identity isn't limited to its beautiful carvings; rather, a special kind of peace permeates its air. Nestled among lush trees and hills, the cool atmosphere of these caves can mesmerize anyone. It's this powerful peace that drew monks here centuries ago to meditate. The atmosphere is so serene that you'll be tempted to pause, introspect, and meditate quietly, leaving behind the hustle and bustle of everyday life. To make this historic journey even more memorable, you can also explore other wonderful nearby sites. A short drive from Khambhalida is the historic town of Gondal, where the magnificent Naulakha Palace is famous for its magnificent architecture and royal artifacts. Life comes to a standstill amidst rare wildlife - If you are fond of wildlife and greenery, then definitely visit Hingolgarh Nature Sanctuary, where you will get to see many rare wildlife in their natural environment. Apart from this, there is a lot to visit in Rajkot city also. You can see the unique collection of dolls brought from all over the world in the 'Rotary Dolls Museum' or visit the 'Watson Museum' and turn the pages of the rich heritage of Saurashtra.

# Prepare a cafe-like breakfast in minutes, easily make crispy and tasty French toast at home.

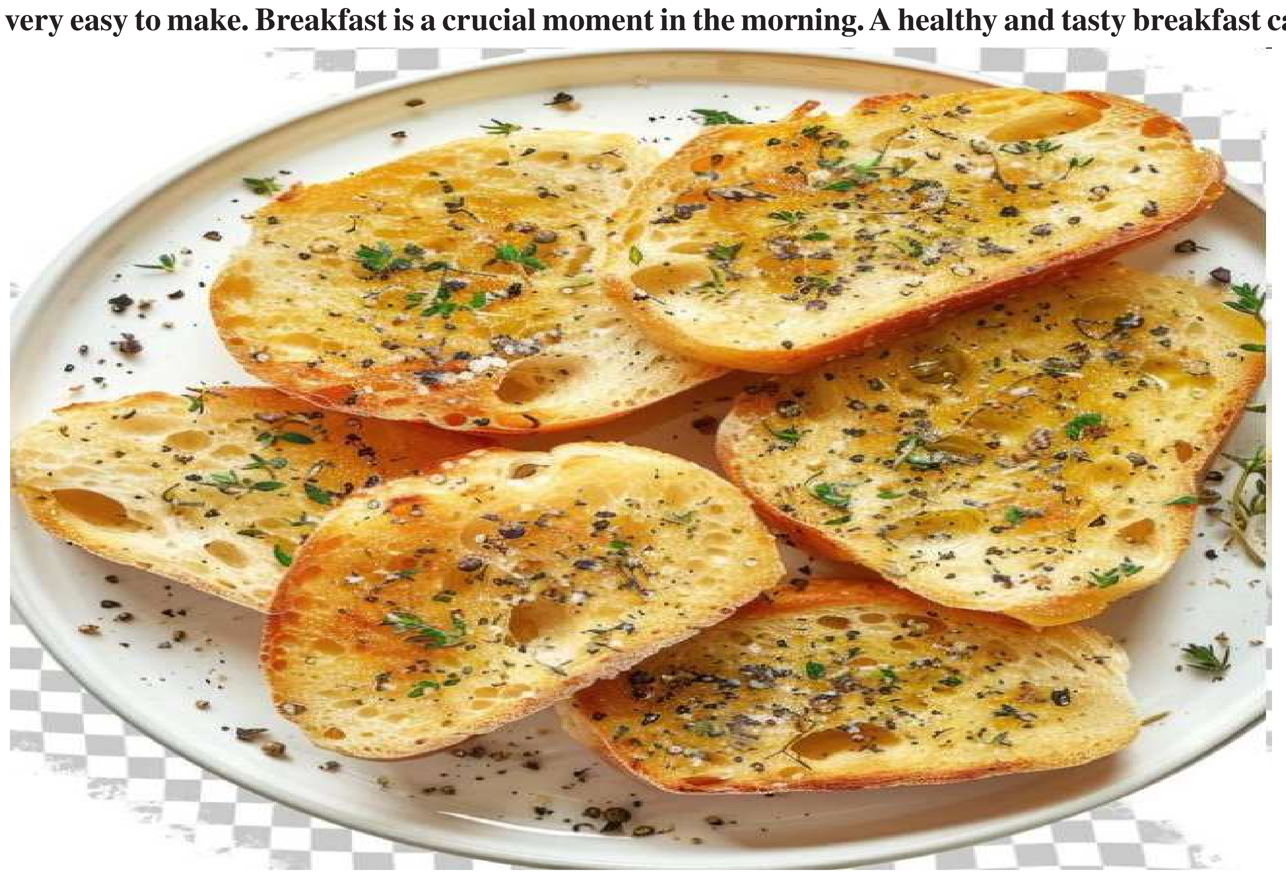

French toast is a great breakfast option. It's also very easy to make. Breakfast is a crucial moment in the morning. A healthy and tasty breakfast can boost your energy for the day. One such recipe is French toast, a favorite breakfast dish worldwide. It's loved by everyone, from children to adults, because it can be made both sweet and savory. The special thing is that it doesn't require much time or ingredients to prepare. Let us know about the easy recipe of making French toast in one sweet and other salty way. Sweet French Toast French toast (1) Ingredients Bread slices - 4 Eggs - 2 Milk - ½ cup Sugar - 2 tbsp Cinnamon powder - ½ tsp Butter - 1 tbsp Honey/maple syrup - for serving Method of preparation In a bowl, add eggs, milk, sugar and cinnamon powder and whisk it well. Now dip the bread slices in it so that it gets coated well from both the sides. Now heat a non-stick pan and add butter in it. Once it is hot, fry the bread slices till it turns golden from both the sides. Take it out in a plate and pour honey or maple syrup on top and garnish with chopped fruits if you want. This sweet French toast is a favorite with children and tastes amazing with tea or coffee. Salty French Toast Ingredients: Bread slices - 4 Eggs - 2 Milk - 1/2 cup Onion - 1 small, finely chopped Green chili - 1, finely chopped Coriander leaves - 2 tablespoons Salt - to taste Black pepper powder - 1/2 teaspoon Oil/ghee - for frying Method: First, whisk eggs, milk, salt, and black pepper powder in a bowl. Add the onion, green chili, and coriander leaves. Dip the bread slices in the mixture and coat them thoroughly. Add a little oil or ghee to the pan and fry the slices until crispy and golden brown on both sides. Serve with green chutney or tomato sauce. Salty French toast is quick to prepare, and its spicy flavor makes it a light snack. Special tip: For a healthier option, use brown bread or multigrain bread. You can also drizzle chocolate syrup or fruit jam on this sweet French toast for children. If you want, you can also add grated carrot or capsicum to salty French toast, this will increase both the taste and nutrition.

# Which vegetables, fruits, and flours are best for high blood pressure patients? Dietitian Answers

Due to today's hectic lifestyle and stress, high blood pressure, or hypertension, has become a very common problem. Bitter gourd, guava, and barley flour are extremely beneficial for high blood pressure. Flax seeds and almonds also help control blood pressure. Fenugreek seed water is also very beneficial for blood pressure patients. When it comes to controlling high blood pressure, along with medications, a proper diet is crucial. If you too are suffering from high blood pressure, this article is especially for you. Renowned dietitian Sonia Narang shares some special foods that can help control your blood pressure naturally. From vegetables to fruits and nuts, let's explore the 'superfoods' you should definitely include in your plate. Bitter gourd - People often shy away from bitter gourd due to its bitter taste, but this vegetable is a boon for high blood pressure patients. The special nutrients in bitter gourd not only control blood pressure but also help balance blood sugar. Guava - According to dietitians, guava is an excellent fruit option for high blood pressure. Guava is rich in fiber, potassium, and vitamin C. Potassium reduces the harmful effects of sodium in our body, which helps maintain normal blood pressure and keeps the heart healthy. Barley flour - We often eat wheat flour rotis daily, but if you have high blood pressure, include barley flour in your diet. Barley flour is rich in fiber, which helps control weight and keeps your blood vessels healthy. Flax Seeds - The tiny flax seeds hold a wealth of health benefits. They're rich in omega-3 fatty acids and fiber. Eating a tablespoon of roasted flax seeds daily improves blood circulation and keeps blood pressure under control. Almonds - Almonds not only sharpen your mind but also take care of your heart. They contain healthy fats and magnesium, which are very effective in lowering blood pressure. Eating 4-5 almonds soaked overnight and peeled in the morning is the best way to do this. A special tip from a dietitian - In addition to all these things, dietitian Sonia Narang suggests another magical remedy: fenugreek seed water. Soak half a teaspoon of fenugreek seeds in a glass of water overnight and drink the water on an empty stomach in the morning. This simple act will help better control both your blood pressure and sugar.

# Arun from Chiraiya is receiving threats of being thrown into a blue drum, saying, "I'm happy to see so much hatred..."

Siddharth Shaw, who plays Arun in Divya Dutta's web series "Chiraiya," is receiving online threats for his role based on the sensitive subject of marital rape. Siddharth Shaw, who plays Arun in "Chiraiya," is receiving threats. The series' story is based on marital rape - the actor suffered a panic attack during filming. Divya Dutta's web series "Chiraiya" is currently in the news. This six-episode series was released on Jio Hotstar on March 20, 2026. Directed by Shashant Shah, it is a drama thriller. In the series, actor Siddharth Shaw plays Arun, the brother-in-law of Divya Dutta (Kamlesh). He is newly married and has moved into their home with Prasanna Bisht (Pooja) as his wife. What is the story of the series? - The series specifically depicts a husband repeatedly having sex with his wife without her permission. This series highlights serious issues like marital rape and raises questions about them. Siddharth's character is portrayed in a negative way in the series, due to which he faced a lot of hatred online. The actor recently spoke about receiving threats from people. In a conversation with Hindustan Times, the actor said that he is enjoying it and in a way connects it with his brilliant acting. He says, "People want to lock me in a blue drum. This is from the women's perspective." Siddharth said this while referring to the horrific murder that took place in Meerut in March 2025, in which a man's mutilated body was found stuffed in a blue plastic drum. "I did my job well," Siddharth continued. "From a male perspective, the hate I receive is mostly abusive. Then there are reels, videos, or emails where people say everything was going great, and then the entire male community was silenced. I'm very happy to see so much hate because it stems solely from love for me. If someone is facing so much hatred, it means I did my job well." The actor explained that he even had a panic attack while shooting several scenes, and on the first day, he broke down in tears on set. However, despite all this, he sees the hate he receives as love from the audience.

# A gripping crime thriller has been trending on OTT platforms for three months, with the 7-episode series receiving top ratings.

A web series has been trending on OTT platforms for the past three months. The series also received top ratings from IMDb. The story will keep you on the edge of your seat. The web series, which has been trending on OTT platforms for three months, is filled with crime and suspense. The 7-episode series combines action, crime, and romance. Three months ago, a web series was released on the OTT platform and was well-received. It remained in the top 10 trending list on OTT platforms for weeks. In the meantime, many new web series have come and gone, but none have been able to dislodge this web series from the top 10 trending list. For the past three months, this web series has been dominating the top 10 trending list on the OTT platform Netflix. The 7 episodes are full of drama - the series boasts a strong star cast and a story so powerful that you won't be able to leave your seat without watching all seven episodes. Each episode is packed with suspense and thrill that will keep you hooked. What is the story of the series? - The story of the series is about a big fight against an international smuggling syndicate. A dedicated customs officer, along with his honest team, faces a powerful man who smuggles gold. Many sacrifices have to be made in this risky mission. Emraan Hashmi is the soul of the series - The series we are talking about is Emraan Hashmi's Taskaree: The Smuggler's Web. Actor Emraan Hashmi has played a key role in this series as a customs officer. Star cast of Taskaree: Emraan Hashmi, Sharad Kelkar, Anurag Sinha, Jameel Khan, Freddy Daruwala, Zoya Afroz, Nandish Singh Sandhu, Amrita Khanvilkar, Sumit Nijhawan. The series Taskaree: The Smugglers' Web, which has been trending for three months, was released on the OTT platform Netflix on January 14, 2026. This series has remained in the top 10 for the past three months. With an IMDb rating of 7.1, it is trending at number six on the Netflix Top 10. If you haven't seen it yet, you should. This series is full of thrill and suspense.

# Converted to Islam for marriage, left the industry at 23... The story of 'Wanted Girl' Ayesha Takia

Ayesha Takia began acting at the age of 13, gaining recognition through TV commercials and Falguni Pathak's music videos. She entered Bollywood with 'Tarzan: The Wonder Car' and achieved major success with 'Wanted' opposite Salman Khan. Ayesha began acting at the age of 13, debuted with 'Tarzan', achieved significant success with 'Wanted', and then converted to Islam for marriage and left the industry. You must remember Ayesha Takia, who entered Bollywood with 'Tarzan: The Wonder Car'. Ayesha began her acting career at the age of 13. The actress appeared in several TV commercials. She initially began her career as a model. However, Ayesha has been more in the news for controversies than for her films. Ayesha first appeared as a child actor in a Complaint commercial opposite Shahid Kapoor. Ayesha has also worked for Disney Channel, where she was paid 8,000 rupees per month. Appeared in several music videos - After this, Ayesha appeared in the song "Meri Chunar Ud Ud Jaye" with Falguni Pathak in 2000, which gained her popularity. She also appeared in music videos like "Shake It Daddy" and "Nahi Nahi Abhi Nahi". This is where Ayesha began receiving Bollywood offers. Leaving the industry for marriage - After this, in 2004, Ayesha was offered Abbas-Mustan's supernatural action thriller "Tarzan: The Wonder Car." The film flopped at the box office, but due to her excellent acting and glamour, she received the Filmfare Award and IIFA Award for Best Female Debut. The 2009 film "Wanted" with Salman Khan proved to be a turning point in her career. It remains the biggest hit of Ayesha's career. Two years later, Ayesha abruptly left the industry after the 2011 film Mod. Ayesha Takia has also appeared in films like Dil Maange More, Socha Na Tha, Shaadi No. 1, Dor, and Wanted with Salman Khan. In 2009, Ayesha married Farhan Azmi, son of politician Abu Azmi. For the marriage, Ayesha converted to Islam and withdrew from films. They have a son, Mikail.